दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com

RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 139 झांसी 23/शुक्रवार /अप्रेल/2021 पृष्ठ -8 मुल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

भारत-ब्रिटेन के लिए एयर इंडिया की तमाम उड़ानें हुईं रद

नई दिल्ली। कोविड-19 के प्रकोप को देखते हुए एयर इंडिया (अ१ क्ल्र्ल्र्) ने सात दिनों के लिए ब्रिटेन से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को रद कर दिया है। 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक लगाए गए इस प्रतिबंध पर एयर इंडिया ने इस दौरान यात्रा करने वाले पैसेंजरों से बताया, 'ब्रिटेन द्वारा लागू किए गए हालिया प्रतिबंधों के बाद 24 से 30 अप्रैल के बीच निर्धारित उड़ानों को रद किया गया है। इन उड़ानों के संबंध में रिफंड, रिशेड्यूलिंग समेत तमाम जानकारियां बाद में दी जाएगी। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए यह जानकारी साझा की और रद किए गए उड़ानों के विवरण भी दिए हैं। विमानन सेवा एयर इंडिया ने यह भी कहा कि 24 से 30 अप्रैल के बीच दिल्ली और मुंबई से ब्रिटेन के लिए सप्ताह में एक उड़ान के संचालन की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है। इस बारे में जानकारी एयर इंडिया की वेबसाइट पर भी दे दी जाएगी।

कोरोना बढ़ने के कारण जापान के प्रधानमंत्री नहीं आएंगे भारत

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा इस माह के अंत में भारत आने वाले थे लेकिन अब इस दौरे को स्थगित करने की खबर आ रही है। साथ ही उनका फिलीपींस दौरा भी स्थगित कर दिया गया है। मीडिया के अनुसार सुगा अब कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण को लेकर फोकस करेंगे। प्रधानमंत्री सुगा की ओर से देश की जनता से वादा किया गया है कि उनकी सरकार जून के अंत तक कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन के दस करोड़ डोज का आयात करेगी। जापान की आबादी साढ़े 12 करोड़ से अधिक है और अब तक देश में केवल 11 लाख लोगों को ही वैक्सीन की खुराक दी गई है।

जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडेन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 22 और 23 अप्रैल को जलवायु के मसले पर आयोजित वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में वर्चुअल भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 22 अप्रैल को शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे तक नेताओं के पहले सत्र में अपनी बात रखेंगे। इस सत्र का विषय है "वर्ष 2030 के लिए हमारी सामूहिक तेज दौड़।" शिखर सम्मेलन में लगभग 40 अन्य वैश्विक नेता भाग ले रहे हैं। वे उन देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे जो मेजर इकोनॉमीज फोरम के सदस्य हैं, और जो अन्य बातों के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील हैं। नेता जलवायु परिवर्तन, जलवायु क्रियाओं को बढ़ाने, जलवायु शमन और अनुकूलन, प्रकृति आधारित समाधान, जलवायु सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के लिए तकनीकी नवाचारों के लिए धनराशि जुटाएंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी शेयर की। उन्होंने लिखा, 'कोरोना पॉजिटिव हो गया हूं। मैं डॉक्टर्स की सलाह पर दवाईयां और इलाज करवा रहा हूं। जो लोग पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं, उनसे अनुरोध है कि वह कोरोना के नियमों का पालन करें और खुद का टेस्ट कराएं।' 6 दिन पहले यानी 14 अप्रैल को ही पोखरियाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिक्षा मंत्रालय और उइरए के अफसरों के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय में बैठक की थी। इसके बाद ही उइरए 12वीं की परीक्षा टालने और 10वीं की रद्द करने का ऐलान किया गया था।

यूपी में आरएसएस के स्कूल बनेंगे आइसोलेशन सेंटर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा संचालित स्कूलों- सरस्वती शिशु मंदिरों और सरस्वती विद्या मंदिरों को जरूरत पड़ने पर आइसोलेशन सेंटर में तब्दील कर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश क्षेत्र सेवा प्रमुख नवल किशोर ने कहा, "हालांकि यूपी में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन हमारे पास अपनी योजना तैयार है। विभिन्न प्रांतों को संबंधित क्षेत्रों की आवश्यकता के अनुसार संसाधनों के उपयोग की अनुमति देने के लिए कहा गया है।" आरएसएस की केंद्रीय इकाई ने हर प्रांत से दो नाम मांगे हैं जो देश में कोविड से स्थिति और बिगड़ने पर जरूरतमंदों को पूरी मदद देंगे। इसके अलावा, प्रत्येक प्रांत के हर जिले में प्रमुख व्यक्तियों, जो आरएसएस के कार्यकर्ता हैं, से मदद के लिए संपर्क किया जा सकता है या जो अलगाव में रहते हुए चिकित्सा सहायता या भोजन की जरूरत वाले लोगों के लिए चीजें उपलब्ध कराएंगे।

तमिलनाडु में कोविड वैक्सीन की सबसे ज्यादा बबार्दी

नई दिल्ली। कई राज्यों ने कोविड के टीके की कमी का दावा किया है, लेकिन यह भी पता चला है कि कई राज्यों ने इसकी भारी मात्रा में बबार्दी की है। तमिलनाडु, हरियाणा और पंजाब तीन शीर्ष राज्य हैं जिन्होंने टीके के सबसे ज्यादा बबार्दी की सूचना दी थी। जबकि केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश ऐसे राज्य थे जिन्होंने एक भी कोविड वैक्सीन की बबार्दी की सूचना दी। आरटीआई के जवाब में केंद्र सरकार द्वारा 11 अप्रैल तक शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में सबसे ज्यादा वैक्सीन की बबार्दी 12.10 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

नासिक के सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक, लग गए लाशों के ढेर

ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से 22 मरीजों की मौत, 35 गंभीर

■ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक में बुधवार को सरकारी अस्पताल में बड़ा हादसा हो गया। नगर निगम के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक हो गया। इसे रिपेयर करने में 30 मिनट का वक्त लगा और इतनी देर ऑक्सीजन सप्लाई रोक दी गई। इसके चलते 22 मरीजों की मौत हो गई और 35 की हालत अभी भी नाजुक है। मौतों की पुष्टि नासिक के जिलाधिकारी सूरज मांढरे ने की है। जिस वक्त ऑक्सीजन सप्लाई रोकी गई उस वक्त 171 मरीज ऑक्सीजन पर और 67 मरीज वेंटीलेटर पर थे। ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टैंक से आने वाले सप्लाई पाइप में लीकेज हुआ था। अभी इसे सुधार दिया गया है। इस लीकेज के दौरान 20 किलो लिक्विड ऑक्सीजन बर्बाद हुई। फिलहाल हॉस्पिटल के साथ जिला प्रशासन ने भी इस लीकेज की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना में एक महिला की भी मौत हुई है। उसके ससुर ने बताया कि 4 दिन पहले अस्पताल लेकर आए थे। हालात में लगातार सुधार हो रहा था। लेकिन ऑक्सीजन सप्लाई रुकते ही तबीयत खराब होने लगी और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मैंने उसे अपनी आंखों के सामने तड़पता हुआ देखा। मैं इधर-उधर भाग रहा था, लेकिन कोई उसकी मदद के लिए नहीं आया। हॉस्पिटल प्रशासन भी कोई जवाब नहीं दे पाया। अस्पताल में मौतों की शुरूआती जानकारी सामने आते ही महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से सवाल हुए। उन्होंने कहा कि हमें नासिक में ऑक्सीजन लीकेज की जानकारी मिली है। मैं लगातार वहां के प्रशासन से संपर्क में हूं और और जानकारी ले रहा हूं। मौतों के बारे में उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। इसके करीब 45 मिनट बाद उन्होंने मौतों की बात स्वीकारी और कहा- वॉल्व में लीकेज हुआ था। इससे ऑक्सीजन सप्लाई रुकी। जिन मरीजों की मौत हुई, उनमें वेंटिलेटर पर मौजूद 11 मरीज शामिल हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि ऑक्सीजन टैंकर में लीक की गड़बड़ी सुधारने के लिए 30 मिनट सप्लाई रोकी गई थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि सप्लाई 30 मिनट नहीं, बल्कि 2 घंटे तक बंद थी।

जान गंवाने वाले सभी कोरोना मरीज

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि 11 महिलाओं और 11 पुरुषों की जान हादसे में गई है। सभी कोरोना मरीज थे। इस घटना की जांच शुरू हो गई है। इसके लिए आईएएस अधिकारी, इंजीनियर, एक सीनियर डॉक्टर की टीम को जिम्मा सौंपा गया है। जो कंपनी यहां ऑक्सीजन भरने का काम करती है, वह जापान की एक मल्टीनेशनल कंपनी है और कई साल से ऑक्सीजन सप्लाई कर रही थी।

मेरे भाई ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया

हादसे में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि हमने हमारे परिवार का सदस्य खो दिया। कौन जवाबदेही लेगा इसकी? दोपहर 12:30 बजे के करीब अचानक ऑक्सीजन आनी बंद हो गई और मेरा भाई तड़प-तड़पकर मर गया। उसे 10 दिन पहले भर्ती किया गया था। 2 घंटे तक ऑक्सीजन बंद रही। ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं था। अगर सिलेंडर होता तो भी मेरे भाई की जान बच सकती थी। कुछ परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल के पास कल रात से ही ऑक्सीजन की कमी थी। जब आज ऑक्सीजन सप्लाई बंद हो गई, तब भी हमने ही ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल स्टाफ को बताया। उन्होंने हमें ही नीचे चेक करने के लिए भेज दिया। नीचे आए तो डॉक्टरों ने हमें दोबारा ऊपर भेज दिया। पूरे अस्पताल में हम भटकते रहे। इस घटना में एक महिला की भी मौत हुई है। उसके ससुर ने बताया कि 4 दिन पहले अस्पताल लेकर आए थे। हालत में लगातार सुधार हो रहा था, लेकिन ऑक्सीजन सप्लाई रुकते ही तबीयत खराब होने लगी और उसकी मौत हो गई।

मूर्धन्य पत्रकार ,**दैनिक विश्व परिवार के मुख्य सम्पादक** ,नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष , विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी रहे महानगर झाँसी निवासी **कैलाश चंद जैन** का आज स्वर्गारोहण हो गया है ।वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार व साथियों को बिलखता हुआ छोड़ गये हैं ।उनका अंतिम संस्कार महानगर के उनाव गेट बाहर मुक्तिधाम पर कर दिया गया है ।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन झाँसी जिला शाखा की शोकसभा जिलाकोषाध्यक्ष अतरसिंह परिहार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।जिसमें श्री गणेश शंकर पत्रकार उनन्यन समिति झाँसी के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन के निधन पर शौक व्यक्त करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर वक्ताओ ने विस्तार से विचार व्यक्त किए ।जिसमे पंडित रामगोपाल शर्मा, नवल किशोर शर्मा, आलोक श्रीवास्तव, रोहित झा, अतरसिंह परिहार, अनूप साहू,आनंद साहू,मनोज राय,डॉ जितेंद्र सिद्धार्थ, जितेंद्र पुरोहित आदि पत्रकारों ने श्रद्वाजंलि दी ।बाहर दतिया गेट पठौरिया निवासियों की शोकसभा पंडित रामगोपाल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।जिसमें पठौरिया मुहल्ले को बताने वाले एवं अनेक संस्थाओं से सम्बंध रहे कैलाश चंद जैन के निधन होने पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किये ।वह अपने पीछे पत्नी सहित प्रदीप कुमार जैन दैनिक विश्व परिवार सम्पादक, प्रवीण कुमार जैन एवं आलोक कुमार जैन सहित भरा पूरा परिवार बिलखता हुआ छोड़ गये ।शोक सभा मे चंद्रभान पाल,ओपी शर्मा, बीएन बरोदिया, मुन्ना पांडेय, एसपी शर्मा, जेडी वर्मा आदि भारी संख्या में लोगों ने स्वगीय श्री जैन के कार्यों पर विचार व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।इसी प्रकार विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं ने समाजसेवी एवं जन हितेषी श्री जैन के निधन पर शौक व्यक्त कर श्रद्वाजंलि अर्पित की।

देश में बीते 24 घंटे में 2.95 लाख नए मरीज, 2000 से अधिक मौतें

■ नईदिल्ली

भारत में तीव्र गति से हो रहे टीकाकरण के बीच बुधवार को कोविड-19 से सर्वाधिक मौतों का रिकॉर्ड बना है। एक दिन में कोरोना वायरस से संक्रमित 2,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को कोरोना वायरस से 1,761 लोगों की मौत हुई थी। यह भी एक रिकॉर्ड था, लेकिन बुधवार को मौत के सारे रिकॉर्ड टूट गए। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में 24 घंटों के दौरान कोरोना के 2.95 लाख नए मरीज सामने आए हैं। देश में कोरोना के सक्रिय रोगियों की संख्या 21 लाख 57 हजार के पार पहुंच गई। इसके साथ 16 लाख से ज्यादा लोगों की कोरोना की जांच कराई गई। 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में 519, दिल्ली में 277, छत्तीसगढ़ में 191 और उत्तर प्रदेश में 162 कोरोना पीड़ितों की मौत हो चुकी है।

लगातार हो रहीं मौतों से केंद्र सरकार में हड़कंप

देश में कोरोना संक्रमण से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में 146 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 15 फीसद से अधिक है जो चिंता का विषय है। देश में मौजूदा वक्त में सक्रिय मामलों की संख्या 21,57,000 है। यह संख्या पिछले साल के हमारे अधिकतम संख्या के दो गुणा है। रिकवरी दर 85 फीसद जबकि? मृत्यु दर 1.17 फीसद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने बताया कि सरकार कोरोना के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाने जा रही है। सरकार संक्रमितों के इलाज के लिए बेड की संख्या और बढ़ाने जा रही है।

दिल्ली में फिर हो सकता है ऑक्सीजन संकट

नई दिल्ली। दिल्ली के अस्पतालों में बुधवार रात एक बार फिर ऑक्सीजन संकट उत्पन्न हो सकता है। दिल्ली के अस्पतालों में सप्लाई के लिए हरियाणा से ऑक्सीजन की खेप आनी थी। दिल्ली सरकार के मुताबिक हरियाणा के फरीदाबाद स्थित प्लांट से दिल्ली के लिए जो ऑक्सीजन भेजी जाने वाली थी, हरियाणा के अधिकारियों उसे रोक दिया है। दिल्ली में उत्पन्न हुए ऑक्सीजन संकट के बीच अब अन्य राज्यों से ऑक्सीजन दिल्ली लाने में भी जटिल समस्या सामने आ रही है।

मप्र में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को फ्री टीका

■ भोपाल

मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार ने 1 मई से 18 वर्ष के ऊपर के सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन फ्री में लगाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को बताया कि खंडवा, शिवपुरी, उज्जैन और सिवनी जिलों में ऑक्सीजन प्लांट शुरू हो गए हैं। जबलपुर का ऑक्सीजन प्लांट भी आज ही शुरू होने की संभावना है। यहां मशीनों के इंस्टॉलेशन का काम पूरा हो चुका है। रतलाम, मंदसौर और मुरैना जिले के प्लांट एक-दो दिन में शुरू होने की संभावना है। बीना रिफाइनरी ने अस्पतालों को ऑक्सीजन देने की सहमति है। ऑक्सीजन का परिवहन न करना पड़े, इसलिए रिफाइनरी प्लांट के पास ही 1000 बिस्तर का अस्पताल बनाना शुरू कर दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान मजदूरों का पलायन रोकने के लिए उन्हें काम देने का दावा भी मुख्यमंत्री ने किया।

संक्रमण दर बढ़कर 24% पहुंची

प्रदेश में संक्रमण दर 24% पहुंच गई है। अप्रैल महीने के 20 दिनों में 774 मौतें हो चुकी हैं। माना जा रहा है की सरकार जल्द ही उन शहरों में टोटल लॉकडाउन लगाने पर फैसला कर सकती है, जहां संक्रमण की रफ्तार बढ़ती जा रही है।

एमपी में एक्टिव कोरोना केस 82 हजार के पार

मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 13 हजार से ज्यादा नए केस मिले हैं। अब एक्टिव केस की संख्या 82 हजार से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में सरकार अब कुछ और सख्त कदम उठा सकती है। इस पर फैसला लेने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई। उधर, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री सीएम हाउस पहुंचे।

बीकानेर की नोखा जेल से रात ढाई बजे 5 कैदी फरार

पहले दीवार और खिड़की तोड़ी फिर कंबल की रस्सी बनाकर भागे

बीकानेर। राजस्थान में करीब 15 दिन पहले हुए फलोदी जेल ब्रेक कांड के बाद अब बीकानेर की नोखा जेल से 5 कैदी फरार हो गए हैं। नोखा उप-कारागार में यह घटना मंगलवार रात करीब ढाई बजे हुई। जेल स्टाफ को 2 घंटे बाद इसकी जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने सभी थानों को अलर्ट कर दिया, लेकिन अभी तक फरार कैदियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। नोखा जेल ब्रेक में लापरवाही या मिलीभगतःकैदियों ने 3-4 फीट दीवार तोड़ी, कूलर हटाया; प्रहरियों की नींद ऐसी कि आवाज तक नहीं आई, DGP बोले- जेल स्तर पर लापरवाही हुई जेल प्रशासन के मुताबिक, फरार होने वाले कैदियों में 3 हनुमानगढ़ के, एक हरियाणा और एक नोखा के जसरासर थाना इलाके का है। इन कैदियों ने पहले अपनी सेल की दीवार तोड़ी फिर एक खिड़की को तोड़कर बाहर आ गए। इसके बाद फिर कंबल की रस्सी बनाकर दीवार पर चढ़े और फिर कूदकर भाग निकले।

नोखा जेल में कुल 14 का स्टाफ है, जिनमें एक जेल प्रभारी और 13 प्रहरी हैं। इसमें से किसी की भी ड्यूटी जेल के अंदर की तरफ नहीं थी।

महाराष्ट्र के कई जिलों में और बिगड़ सकते हैं हालात

मुंबई। महाराष्ट्र के ज्यादातर जिलों में 2 मई को आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन, क्लव और वेंटिलेटर्स की भारी किल्लत हो सकती है। मंगलवार को हुई कैबिनेट कर मीटिंग में इस बात पर चिंता जताई गई। मीटिंग के पेश प्रोजेक्शन रिपोर्ट के मुताबिक, 2 मई को मुंबई से सटे ठाणे जिले में 1,22,476 कोरोना के एक्टिव केस होंगे और तब यहां 19,821 आइसोलेशन बेड, 4949 ऑक्सीजन बेड, 1237 क्लव बेड और 432 वेंटिलेटर बेड की कमी हो सकती है। महाराष्ट्र के हेल्थ डिपार्टमेंट ने 2 मई को राज्य में कोरोना के एक्टिव केस कितने होंगे, इसका जिलेवार अनुमान तैयार किया है। मंगलवार को मुंबई में जो कोरोना के 82,671 एक्टिव पेशेंट हैं, वे 76.68% बढ़कर 1,46,064 एक्टिव मरीज हो जाएंगे। ऐसे ही हालात महाराष्ट्र के नागपुर, रायगढ़, पुणे, नंदूरबार, जालना, बीड, लातूर, परभणी, हिंगोली, वर्धा, भंडारा, गोंदिया और चंद्रपुर में भी होने का अनुमान है।

हौसला दिग्गज चिकित्सा विशेषज्ञों ने कोरोना संक्रमण से बचने के अलावा संक्रमित मरीजों के लिए अहम सुझाव दिए

विशेषज्ञ बोले- रेमडेसिविर कोरोना की रामबाण दवा नहीं है

■ नईदिल्ली

देश में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों ने सरकार के साथ साथ चिकित्सा जगत की भी चिंता बढ़ा दी है। देश के दिग्गज चिकित्सा विशेषज्ञों ने बुधवार को कोरोना संक्रमण से बचने के अलावा संक्रमित मरीजों के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने बताया कि कोरोना संक्रमण अब कोई अनजान बीमारी नहीं है। यह कॉमन संक्रमण बन चुकी है। इससे बचाव के उपाय ही इससे निपटने का मजबूत उपाय है। सही समय पर संक्रमण की पहचान हो जाना और इसका तुरंत इलाज शुरू कर दिया जाना बेहद जरूरी है।

नारायणा हेल्थ के चेयर मैन डॉ. देवी शेट्टी ने बताया कि यदि आपको बदन दर्द, सर्दी, खांसी, अपच, उल्टी जैसे लक्षण हैं तो मेरा सुझाव है कि आपको तुरंत कोविड-19 की जांच करा लीजिए। यह बीमारी के इलाज में सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यदि आप एसिम्टोमेटिक हैं तो डॉक्टर आपको घर पर आइसोलेशन में रहने, मास्क पहनने और अपना ऑक्सीजन सैचुरेशन हर छह घंटे में चेक करने के लिए कहेंगे। यह कोरोना संक्रमण के इलाज में बेहद जरूरी है। डॉ. शेट्टी ने यह भी कहा कि संक्रमण से पीड़ित लोगों में यदि ऑक्सीजन का सैचुरेशन 94 फीसद से ऊपर है तो कोई समस्या नहीं है लेकिन यदि एक्सरसाइज के बाद यह गिर रहा है तो आपको डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है। ऐसी स्थिति में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि मरीज को सही समय पर इलाज उपलब्ध कराया जाए।

मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. नरेश त्रेहन ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन कोरोना के इलाज की रामबाण दवा नहीं है। देखा गया है कि केवल वायरल लोड को कम करने में मदद करती है। हर मरीज के लिए इसका इस्तेमाल जरूरी नहीं है। यह मृत्यु दर घटने वाली दवा भी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना संक्रमण में बेहद कम लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। अस्पताल के बिस्तरों का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ हो इसके लिए इसके लिए हमें अफरातफरी नहीं मचाना चाहिए।

वही एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि एक देश के रूप में हम यदि एक साथ काम करते हैं तो हमें ऑक्सीजन और रेमेडिसवियर का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना होगा। ऐसा करने से कहीं भी किसी भी जरूरी दवा की कमी नहीं आने पाएगी। ऑक्सीजन एक उपचार है, यह एक दवा की तरह है... ऑक्सीजन को रुक रुक कर या असंगत रूप से लेना ऑक्सीजन का एक अपव्यय है। ऐसा कोई डेटा नहीं है जिससे पता चलता है कि यह आपकी किसी भी मदद का होगा।

कोरोना संकट काल में आपको ऐसा नहीं करना चाहिए...

एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने यह भी कहा कि कोरोना के खिलाफ टीकाकरण काफी मददगार है। वैक्सीन आपको बीमारी को गंभीर बीमारी के रूप में लेने से रोकता है। हालांकि वैक?सीन लेने के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना बेहद जरूरी है। यह आपको संक्रमण होने से नहीं रोक सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कोविड वैक?सीन लेने के बाद भी हम संक्रमण के शिकार हो सकते हैं इसलिए वैक्सीन के बाद भी मास्क पहनना और दो गज की दूरी को बनाए रखना बहुत जरूरी है डॉ. नरेश त्रेहन ने यह भी बताया कि उनके साथ डॉक्टरों ने अब एक प्रोटोकॉल बनाया है कि रेमडेसिविर सभी संक्रमितों को नहीं दी जाएगी। इसका इस्तेमाल का सुझाव मरीजों के लक्षणों और संक्रमण की गंभीरता को देखने के बाद ही दिया जाएगा। सनद रहे बीते दिनों एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने भी कहा था कि रेमेडिसवीर जादू की गोली नहीं है... ना ही यह मृत्यु दर घटने वाली दवा है। उन्होंने साफ कहा था कि हल्के लक्षणों वाले लोगों को समय से पहले दिए जाने पर इसका कोई फायदा नहीं है।

दैनिक शुभ भास्कर

संक्षेप में...

बॉयफ्रेंड के धोखे से परेशान होकर दी थी युवती ने जान

ग्वालियर। बॉयफ्रेंड के धोखे से परेशान होकर युवती ने ट्रेन से कटकर जान दी थी। यह खुलासा पुलिस ने बुधवार को किया है। आरोपी बॉयफ्रेंड ने युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। साथ ही, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए लाखों के गहने भी हड़प लिए। जब युवती को धोखा होने का पता लगा, तो उसने ट्रेन के सामने आकर खुदकुशी कर ली। घटना 25 मार्च को कृष्णा नगर रेल की पटरी की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर रेलवे क्रॉसिंग पर 25 मार्च को युवती ने ट्रेन से कटकर जान दे दी थी। मृतका की पहचान ग्वालियर पोस्तीखाना निवासी 22 वर्षीय युवती के रूप में हुई थी। हादसे से एक दिन पहले उसकी ग्वालियर थाना में गुमशुदगी भी दर्ज थी। जिस पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, तो पता लगा कि युवती का पड़ोसी अमन पुत्र देवेन्द्र परमार ने उसे प्यार के जाल में फंसा लिया था। वह शादी का झांसा देकर लगातार शोषण करता रहा। इतना ही नहीं, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था। इस दौरान युवती से उसने 3 से 4 लाख रुपए के गहने भी ऐंठ लिए थे। इसके बाद भी बॉयफ्रेंड उसे ब्लैकमेल कर रहा था।

दीवार उठाने की मामूली बात पर हुए विवाद में युवक की हत्या

सागर। दीवार उठाने की बात पर हुए मामूली विवाद में पड़ोसी ने बाप-बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसमें बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता घायल है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात मंगलवार रात करीब 8 बजे ग्राम बेरसला की है। पुलिस के अनुसार भागीरथ कुर्मी का ग्राम में मकान का निर्माण चल रहा था। वह दीवार बनवा रहा था। इसी बात पर पड़ोसी सरजू कुर्मी ने आपत्ति जताई। उसका कहना था कि दीवार बनने से बारिश का पानी उसके घर में आएगा। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बात मारपीट तक पहुंच गई। इस दौरान भागीरथ ने सरजू और उसके बेटे को कुल्हाड़ी मार दी। दोनों को लहूलुहान हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां से मोहन को भोपाल रेफर कर दिया गया। भोपाल ले जाते समय मोहन ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही सुरखी पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने पंचनामा बनाकर बुधवार को शव पोस्टमॉर्टम करवाया। सुरखी थाना के एसआई रामू प्रजापति ने बताया, मामले में आरोपी भागीरथ कुर्मी, अर्जुन कुर्मी और नीतेश कुर्मी निवासी बेरसला समेत दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

सास, जेठ और पति की कोरोना से मौत, महिला ने लगाई फांसी

देवास। कोरोना ने देवास अग्रवाल समाज के अध्यक्ष बाल किशन गर्ग के घर-परिवार में कोहराम मचा दिया। महज एक सप्ताह में ही उनकी पत्नी व दो बेटों की कोरोना से मौत हो गई। यही नहीं, अपनों के जाने का दर्द उनकी छोटी बहू से बर्दाश्त नहीं हुआ और उसने फांसी लगाकर जान दे दी। परिवार में अब गर्ग के अलावा उनकी बड़ी बहू और पोते-पोतियां रह गए हैं। सबसे पहले गर्ग की पत्नी चंद्रकला (75) कोरोना की चपेट में आईं और 14 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। इसके बाद दो दिन के अंतराल से बेटे संजय (51) और फिर स्वप्नेश (48) को भी कोरोना लील गया। छोटी बहू रेखा गर्ग (45) यह वज्रपात सहन नहीं कर सकी। उसने बुधवार को फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। महज एक सप्ताह में पूरा परिवार उजड़ गया। परिवार से जुड़े वरुण अग्रवाल ने बताया कि गर्ग परिवार का किराना का थोक व्यापार है। करीब 20 साल पहले रेखा बहू बनकर आई थी लेकिन सप्ताह भर में परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ वह सहन नहीं कर सकी। इस हंसते-खेलते परिवार को कोरोना ने पूरी तरह उजाड़ दिया।

बेकाबू कोरोना : गोपाल भार्गव को ऑक्सीजन प्लांट जल्द तैयार कराने की जिम्मेदारी

शिवराज ने व्यवस्था संभालने के लिए मैदान में उतारे 14 मंत्री

■ भोपाल

बेकाबू कोरोना की दर कम करने के लिए मध्यप्रदेश में कोहराम मचा हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी रोकथाम के लिए मंत्रियों को मैदान में उतार दिया है। शिवराज ने 14 मंत्रियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी है। सबसे सीनियर लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव को ऑक्सीजन प्लांट निर्माण की जिम्मेदारी और होम आइसोलेट मरीजों को मेडिसिन किट वितरण की मॉनिटरिंग का जिम्मा वन मंत्री विजय शाह को सौंपा है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है है कि भोपाल नगर निगम के हर जोन में 2-2 कोविड सहायता केंद्र खोले जाएंगे। यह केंद्र गुरुवार से शुरू हो जाएंगे। इन पर सामान्य कोविड मरीजों को होम आइसोलेशन की आवश्यक दवाएं उपलब्ध होंगी। सारंग ने कहा, ये केंद्र स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के सहयोग से संचालित होंगे। नगर निगम की गाड़ियां अनाउंसमेंट के जरिए इसकी जानकारी भी देंगी। हर केंद्र पर एक नोडल अधिकारी के साथ एक डॉक्टर की सेवाएं ली जाएंगी।

किस मंत्री को, क्या जिम्मेदारी

गोपाल भार्गव - प्रदेश में कोविड केयर सेंटर और ऑक्सीजन प्लांट निर्माण को समय सीमा में पूर्ण कराएंगे।

तुलसीराम सिलावट - इंदौर में राधा स्वामी सत्संग व्यास परिसर में बन रहे 2000 बिस्तर के अस्पताल का प्रभावी संचालन। इसी प्रकार के अन्य कोविड-केयर सेंटर का निर्माण देखेंगे।

विजय शाह - प्रदेश में होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को मेडिकल किट ब्रोशर का वितरण। दिन में दो बार कॉल चिकित्सा सलाह को सुनिश्चित करेंगे।

भूपेंद्र सिंह - बीना रिफाइनरी के पास बन रहे 1000 बिस्तर के निर्माण का क्रियान्वयन।

बृजेंद्र प्रताप सिंह - प्रदेश में कोविड केयर सेंटर्स में रह रहे मरीजों को मेडिकल किट ब्रोशर का वितरण। चिकित्सा सलाह, योग, प्राणायाम, भोजन आदि की सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे।

डॉ महेंद्र सिंह सिसोदिया - ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड के संक्रमण के फैलाव रोकने के लिए आवश्यक उपाय, गांव में होम आइसोलेशन और कोविड-19 सेंटर में मरीजों को मेडिकल किट, ब्रोशर का वितरण देखेंगे।

विश्वास सारंग - भोपाल में विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से कोविड केयर सेंटर का निर्माण और भोपाल के अस्पतालों में बिस्तर बढ़वाने का कार्य देखेंगे।

उषा ठाकुर - जन अभियान परिषद के सहयोग से कोरोना वॉलंटियर अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन और वॉलिंटियर का कोरोना कार्यों में प्रभावी उपयोग।

अरविंद भदौरिया - प्रदेश में राज्य के बाहर से ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति के विषय में संबंध में समन्वय।

राम किशोर कांवरे - राज्य के एक करोड़ परिवारों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए काढ़े के वितरण की व्यवस्था और योग से निरोग अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन देखेंगे।

राजवर्धन सिंह दत्तीगांव - उद्योगों से ऑक्सीजन की आपूर्ति के संबंध में समन्वय देखेंगे।

ओपीएस भदौरिया - नगरों में कोविड संक्रमण रोकने के उपाय, नगरों का सैनिटाइजेशन, नगरों में होम आइसोलेशन की व्यवस्था,नगरों में मेडिकल किट का वितरण देखेंगे।

प्रभुराम चौधरी - विजय शाह, भूपेंद्र सिंह और ओपीएस भदौरिया को मिली जिम्मेदारी में समन्वय रहेगा।

रामखेलावन पटेल - डॉ. महेंद्र सिंह सिसोदिया को मिली जिम्मेदारी में सहयोग करेंगे।

दमोह के जिला अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर की लूट

▸ अस्पताल में मरीज के परिजन उठाकर ले गए सिलेंडर

■ दमोह

उपचुनाव वाले दमोह में राजनीति के बाद अब ऑक्सीजन की मारामारी शुरु हो गई लिहाजा परिजन जिला अस्ताल से अपने मरीज के लिए पहले से ही इंतजाम करने के मूड में है। यही वजह रही कि मंगलवार रात सरकार ने जिला अस्पताल में ऑक्सीजन पहुंचाई। इसके पहुंचते ही मरीजों के परिजनों ने सिलेंडर की लूटमार शुरू कर दी। एक-एक सिलेंडर की जगह लोग दो-दो सिलेंडर उठाकर भागने लगे। स्टाफ ने जब सिलेंडर वापस मांगे तो परिजन बदतमीजी पर उतारू हो गए। हालात इतने बिगड़े कि पुलिस बुलानी पड़ी। मौके पर पुलिस पहुंची तो भी परिजनों ने सिलेंडर वापस नहीं दिए। बुधवार सुबह सिलेंडरों की जरूरत पड़ी तो हंगामा मचा। फिर पुलिस आई और लोगों से बातचीत की। लेकिन, लोग सिलेंडर देने को तैयार नहीं थी। उन्होंने कहा कि अस्पताल पर भरोसा नहीं है। किसी तरह पुलिस कुछ सिलेंडर ला पाई, लेकिन कई लोगों ने अभी भी सिलेंडर वापस नहीं किए हैं। एएसपी शिवकुमार सिंह ने बताया कि सिलेंडर अस्पताल के अंदर ही हैं और मरीजों को लग रहे हैं। छीन कर ले जाने वाली बात नहीं है। सभी मरीजों को सिलेंडर की जरूरत है इसलिए अस्पताल की ओर से ही सप्लाई की जानी चाहिए। दमोह के जिला अस्पताल में ये घटना मंगलवार रात 11:30 बजे हुई। सिलेंडरों को लेकर हुए विवाद के बाद अस्पताल के डॉक्टर, सिविल सर्जन, सीएमएचओ सहित सभी कर्मचारी इकठ्ठा हो गए थे। अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. ममता तिमोरी ने बताया कि मरीजों ने जबरन सिलेंडर छीनकर अपने पास रख लिए थे। उन्होंने बताया कि 4 दिन से पुलिस सुरक्षा मुहैया कराए जाने की मांग की जा रही है। एसपी को भी चिट्ठी लिखी गई है, पर कोई व्यवस्था नहीं की गई। ऑक्सीजन सिलेंडर का ट्रक आने पर मरीज के परिजन सिलेंडर उठाकर ले जाते हैं।

दमोह में फर्श पर किया जा रहा मरीजों का इलाज

दमोह में मंगलवार को संक्रमण से 8 मौतें हुईं। 103 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आए। 20 दिन में मरने वालों की संख्या 70 हो गई और 1189 पॉजिटिव केस आए हैं। जिला अस्पताल में मरीजों के लिए पलंग कम पड़ गए हैं। कोरोना सस्पेक्टेड मरीजों को फर्श पर गैलरी में लिटाकर इलाज दिया जा रहा है।

भोपाल के बाद अब इंदौर के निजी अस्पताल से 133 रेमडेसिविर इंजेक्शन की चोरी

इंदौर। शैल्बी अस्पताल में 133 रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी का मामला सामने आया है। अस्पताल प्रबंधन ने फॉमेसी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने मंगलवार देर रात उसे हिरासत में भी लिया है। गिरोह में शामिल चार अन्य कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। तुकोजीगंज थाना टीआई कमलेश शर्मा के मुताबिक अचलपुरा जिला भिंड निवासी अनूप पुत्र जनकसिंह चौहान की शिकायत पर आरोपी भूपेंद्र शैलीवाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। अनूप ने पुलिस को बताया, आरोपी अस्पताल के फॉमेसी विभाग में नौकरी करता है। उसने साथियों के साथ मिलकर 133 इंजेक्शन चोरी कर बाजार में खपा दिए। चोरी इंजेक्शन की कीमत एक लाख 76 हजार 582 रुपए बताई गई है। टीआई के मुताबिक गड़बड़ी में भूपेंद्र के साथ चार अन्य भी शामिल हो सकते हैं, जो फामेसी विभाग में ही नौकरी करते हैं। पुलिस वहां से रिकॉर्ड, फुटेज और ड्यूटी चार्ट मांग कर जांच कर रही है।

इंदौर में 40 हजार रुपए में रेमडेसिविर का सौदा; खरीदार के आने से पहले दोनों पकड़ाए, एक इंजेक्शन भी जब्त

उधर रेमडेसिविर इंजेक्शन की चोरी के साथ जरुरतमंदों के लिए इसकी कालाबाजारी भी जमकर हो रही है। सौदागर मनमर्जी का दाम वसूल रहे हैं। ऐसे ही दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिन्होंने 40 हजार रुपए में एक इंजेक्शन का सौदा किया था। बेचने से पहले ही उन्हें पकड़ लिया गया। वे इंजेक्शन कहां से लाए और किसे देने वाले थे, यह खुलासा अभी पुलिस ने नहीं किया है। पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई भंवरकुआं पुलिस ने की है। थाना प्रभारी संतोष दूधी ने बताया कि पकड़े आरोपी मनोज सोनी महावीर सोनी 23 वर्ष निवासी गिरधर कॉलोनी और गणेश भगवान बिरला 24 वर्ष निवासी सनावद घूम रहे थे। इलाके में कई अस्पताल है जहां पर कोरोना मरीज भर्ती है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि दोनों युवक कई घंटों से राजीव गांधी चौराहे और भोलाराम उस्ताद मार्ग पर ही घूम रहे हैं। उसी वक्त प्रधान आरक्षक धीरेन्द्र राठौर तथा आरक्षक कमल ने आरोपियों को रोका और उनकी तलाशी लेने पर एक इंजेक्शन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह किसी को बेचने जा रहे थे और खरीदार उनसे लेने आने वाला था लेकिन उससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मिलन में कोरोना का रोड़ा

ग्वालियर। एक साल से इंग्लैंड में रह रहा डॉक्टर पति फैमिली कोर्ट के आदेश पर पत्नी को लेने वापस लौटा है, लेकिन कोरोना वायरस उनके मिलन में फिर से रोड़ा बन गया है। कर्फ्यू के कारण कोर्ट बंद था। दोनों की काउंसिलिंग नहीं हो सकी। तीन दिन बाद डॉक्टर को वापस लौटना है। कुछ समय पहले गलतफहमी के कारण अलग हुए पति-पत्नी को इस बार वायरस ने एक होने से रोक दिया। अब कब फैमिली कोर्ट में तारीख मिलेगी, कब डॉक्टर पति का वापस आना होगा, यह तो समय ही तय करेगा। फिलहाल, डॉक्टर पत्नी को लिए बिना ही वापस इंग्लैंड रवाना होगा।

राहुल के कोरोना पॉजिटिव होने पर विजयवर्गीय का तंज

इंदौर। भाजपा के नेता अक्सर गांधी परिवार को निशाने पर लेने का कोई मौका नहीं छोड़ते है। ऐसे में राहुल गांधी की कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट आने के बाद अब बंगाल चुनाव के प्रभारी रहे कैलाश विजयवर्गीय ने कह है कि राहुल गांधी की बंगाल में कोई सभा थी ही नहीं ऐसे में उन्होंने झूठ बोला तो कोराना होए। एक पत्रकार के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि झूठ बोलने के बाद ऐसा ही होता है। दरअसल, विजयवर्गीय यह बता रहे थे कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल में सिर्फ दो जगह हैं। वहां राहुल गांधी सभाएं कर चुके हैं, उसके बाद उनका कोई शेड्यूल ही नहीं है। तो फिर उन्होंने सभाएं रद्द कहां की यह बताएं। इसी से जोड़कर सवाल हुआ था कि राहुल गांधी पॉजिटिव हो गए हैं। इस पर विजयवर्गीय ने कह दिया कि झूठ बोलने के बाद ऐसा ही होता है। उन्होंने कहा कि इंदौर में अगले 8 दिन में विभिन्न अस्पतालों में 1500 बेड तैयार होंगे और इसमें 100 आईसीयू बेड होंगे।

महंगा हुआ सफर — **परिवहन विभाग ने डीजल के दाम बढ़ने के बाद बढ़ाया किराया**

बसों के किराए में 25 से 75 फीसदी की बढ़ोत्तरी

■ भोपाल

बीते एक साल में डीजल के बढ़े हुए दाम और अन्य कारणों से निजी बसों के संचालक एमपी सरकार से किराए बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे जिसे अब जाकर माना है। कोरोना काल में सरकार ने प्राइवेट बसों के किराए में 25% की वृद्धि कर दी है। इस संबंध में परिवहन विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके मुताबिक बस का न्यूतनम किराया 7 रुपए तय किया गया है, जबकि सामान्य तौर पर 1 रुपए 25 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया तय होगा। इसके अलावा लग्जरी बसों के किराए में 25 से 75% तक की वृद्धि तय की गई है। आदेश में कहा गया है कि लग्जरी बसों जैसे डीलक्स (नॉन एसी) स्लीपर, डीलक्स (एसी) और सुपर लग्जरी कोच के तय किए गए किराए में रात्रि प्रभार यात्रियों से नहीं वसूला जाएगा। रात्रि प्रभार सिर्फ सामान्य बस ऑपरेटर ही ले सकेंगे। बता दें, इससे पहले सरकार ने 28 मई 2018 को बस का किराया 1 रुपए प्रति किलोमीटर तय किया था, लेकिन अब इसे 1 रुपए 25 पैसे किया गया है। मप्र प्राइवेट बस ऑनर्स एसोसिएशन पिछले एक साल से किराया बढ़ाने की मांग कर रहा था। इसके लिए एसोसिएशन ने कोरोना महामारी का हवाला दिया था। उनका कहना था कि पिछले साल लॉकडाउन के कारण बसों का संचालन पूरी तरह से बंद रहा और इस साल मार्च से सरकार ने फिर महाराष्ट्र आने-जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद प्रदेश के कई शहरों में कोराना कर्फ्यु लगा दिया। ऐसे में बसों का संचालन मुश्किल हो रहा था। इस बीच, डीजल के दाम बढ़ने के कारण लागत भी नहीं निकल पा रही थी।

पृथ्वी पर मालिक नहीं मेहमान है मनुष्य : अभय

■ दतिया

लोकप्रिय युवा समाजसेवी और युवा गहोई सेना के संस्थापक अभय गुप्ता नेताजी ने अपने घर पर ही कोरोना लांकडाउन के बीच विश्व पृथ्वी दिवस मनाया तथा समाजसेवी अभय ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए सबसे अच्छा उपहार बेहतर पर्यावरण ही हो सकता है। सभी को मिलकर धरा को बचाने का प्रयास करना होगा। बच्चों को बेहतर भविष्य देने का प्रयास करना होगा। पेड़-पौधे, हरियाली, पशु-पक्षी, नदियां ही धरती का गहना हैं। इन्हें संजोकर रखने की जरूरत है। सभी को मिलकर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना होगा। विश्व पृथ्वी दिवस पर सभी को पर्यावरण की बेहतरी के लिए मिलकर कार्य करने का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। तथा हम सभी पृथ्वी के मेहमान है, मालिक नहीं। प्राकृतिक संसाधन प्रकृति के हैं और वे सीमित हैं। उनकी उत्पादन सीमित है, इसलिए पृथ्वी को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। अभय ने फलदार पौधा लगाया और समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तथा दतियावासियो से घर पर रहने की अपील की।

निरोगी जीवन जीना है तो पेड़ लगाओ धरती को स्वर्ग बनाओ:आकांक्षा रावत

बेटी क्लब ने पृथ्वी दिवस की अपील वृक्ष लगाओ शहर को स्वच्छ बनाएं

■ दतिया

आज विश्व पृथ्वी दिवस हम सभी संकल्प लेते हैं के धरती मां को स्वच्छ रखते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे युक्त बात बेटी क्लब दतिया की अध्यक्ष समाजसेवी शिक्षिका श्रीमती आकांक्षा रावत अपने निवास पर वृक्ष लगाते हुए कही और उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि दतिया शहर के सभी लोग एक एक वृक्ष अवश्य लगाएं और उन्होंने कहा कि हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पहली बार 1970 में मनाया गया था। दुनिया भर के 200 देशों लोग अपनी धरती की प्राकृतिक संपत्ति को बचाने के लिए बड़े उत्साह के साथ पृथ्वी दिवस मनाते हैं। विश्व पृथ्वी दिवस का उदेश्य पृथ्वी पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है।पुरे ब्रह्मांड में पृथ्वी एक एकमात्र ग्रह है जहाँ आज तक जीवन संभव है। इसलिए, पृथ्वी पर जीवन को जारी रखने के लिए, पृथ्वी को बचाना अति आवश्यक है। 22 अप्रैल का दिन पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि मानव जाति को पृथ्वी के महत्व के बारे में पता चल सके। मैं अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पृथ्वी को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करें पृथ्वी हमें जीवन जीने की हर चीज प्रदान करती है इसलिए हमारा भी नैतिक कर्तव्य है कि हम उसको स्वच्छ सुंदर बनाकर रखें

विश्व पृथ्वी दिवस पर की धरती की पूजा बनाई फूल पत्तियों से रंगोली

■ दतिया

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर घर पर रहें सन्देश के तहत इंटेक दतिया के द्वारा घर घर भूमि अलंकरण कर धरती की पूजा की गई इसी संदर्भ में विनोद मिश्र ने अपने घर पर धरती का श्रृंगार एवं पूजन किया और देश की खुशहाली के लिए ईश्वर से कामना की कि हमारे देश को कोरोना महामारी से जलदी मुक्त कराने की कृपा करे। इंटेक संयोजक ने घर के आंगन में फूल पत्तो से धरती पर रंगोली बनाई और घर पर रहे का संदेश दिया । धरती पूजन में कल्पना मिश्र मिलिंद मिश्र का सहयोग रहा चूंकि इस समय लॉक डाउन लगा हुआ है सो शासन के नियमानुसार घर पर रहें के निर्देश पर ही विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

आबकारी अमले ने दस लाख से अधिक की अबैध शराब जब्त की

■ दतिया

वतर्मान में व्याप्त कोरोना महामारी के संक्रमण की रोकथाम हेतु जिले में शासकीय मदिरा दुकाने बंद है

ऐसे में अवैध शराब के विक्रय, परिवहन, विनिर्माण पर रोकथाम करने के लिए कलेक्टर दतिया संजय कुमार द्वारा आवश्यक कार्यवाही हेतु दिए गए निर्देशन के पालन मे सुश्री निधि जैन, जिला आबकारी अधिकारी दतिया के निर्देशन में एवं के.एल भगोरा, सहायक जिला आबकारी अधिकारी दतिया* के मार्गदर्शन में प्राप्?त सूचना पर आबकारी वृत्त प्रभारी दतिया-अ अनिरूद्ध खानवलकर द्वारा ग्राम बरगांव कंजर डेरे से कुल 78 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं लगभग बीस हजार कि.ग्रा. लहॉन (मौके पर नष्?ट) जप्?त कर म0प्र0 आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत 04 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। उक्त प्रकरणों में कुल जप्त शराब एवम सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 10,11,700/- रूपये है।

उक्त कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षकटी.आर. वर्मा, वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक दतिया-अ अनिरूद्ध खानवलकर, आबकारी मुख?य आरक्षक शारदा प्रसाद? तिवारी, आबकारी आरक्षक अवधेश भदौरिया, विकास पाठक, अशोक शर्मा, संजय शर्मा, प्रताप जाटव, लक्ष?मीनारायण मांझी एवं वाहन चालक अजय गौतम, जानकी कुशवाह, अनिल यादव सम्मिलित रहे ।का पालन करते हुए स्टाफ ने दविश दी।सभी ने ग्लव्स मास्क का उपयोग किया तथा स्वयं को सुरक्षित रखते हुए दविश पूर्ण की

प्राइवट स्कूल असोसीएशन (दतिया) की ऑनलाइन मीट सम्पन्न

■ दतिया

विगत बुधवार दिनांक 22 अप्रैल 2021 को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर एक बैठक का आयोजन किया जिसका शीर्षक ह्यलॉकडाउन और पॉज़िटिविटीह्न रहा।इस ऑनलाइन इवेंट में डॉक्टर कपिल देव आर्य (ऌडऊ मनोचिकित्सक मेडिकल कॉलेज दतिया) विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने इस मीट के माध्यम से समझाया की आम जनता को तनिक भी असहज होने जी आवश्यकता नहीं है । अधिकांश करोना पीड़ित होम आइसोलेशन से ठीक हो रहे हैं वह गंभीर रूप से पीड़ितों के लिए दतिया में उपयुक्त व्यवस्थाएं मौजूद है सभी सदस्यों ने लॉकडाउन में सकारात्मक बने रहने के लिए अपने अपने तरीक़े बताए । इस माध्यम से स्कूल संचालकों ने क्षेत्रवासियों को अपना और अपने परिजनों का विशेष ख्याल रखने का आग्रह किया सभी को यह प्रेरित किया है कि इस लड़ाई में जिला प्रशासन का हर सम्भव सहयोग करना हैबैठक में इन्द्रगढ़ सेंवड़ा भंडार ब्लॉक के संचालकगण भी जुड़े वह सभी ने महामारी में ऐसी सकारात्मक पहल की प्रशंश कीइस बैठक में विशेष तौर पर जिला परियोजना समन्वयक स्वगीय सी बी सिंह के लिए , जिनका कुछ दिनों पहले देहावसान हो गया था , सभी ने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित करी बैठक में संभागीय महासचिव संतोष उपाध्याय संभागीय अध्यक्ष अनिल दीक्षित मनिंदर सिंह जीतेश खरे अशोक यादव राजेश मोर मोहित श्रीवास्तव अनुभव राय मनोज गुप्ता वीरेन्द्र धाकड गजेंद्र पांडेय महावीर चौहान आदि संचालक उपस्थित रहे ऑनलाइन बैठक का संचालन जीतेश खरे द्वारा किया गया ।

उत्तर कोरिया की सबमरीन तैयार, मिसाइल से अमेरिका तक खलबली

न्यूयार्क ■ एजेंसी

कोरिया जल्द ही सबमरीन से लांच होने वाली परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करेगा। एक तरफ दुनिया कोरोना महामारी के संकट से जूझ रही है वहीं, उत्तर कोरिया हथियारों का बेड़ा बढ़ाने में लगा है। ऐसी खबरें है कि कोरिया जल्द ही सबमरीन से लांच होने वाली परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करेगा। तीन हजार टन वजन वाली सबमरीन में तीन मिसाइल तैनात हो सकती हैं। पैसिफिक महासागर से इससे गुवाम, हवाई और अमेरिका को भी निशाना बना सकता है। प्योंगयांग के इस कदम को उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की स्थितरता के लिए खतरा माना जा रहा है। वॉशिंगटन डीसी के थिंक टैंक द सिमोंस सेंटर के विशेषज्ञ लंबे समय से उत्तर कोरिया शिनपो शिपयार्ड में जारी इस प्रोजेक्ट पर निगाह रखे हैं। नई उपग्रह तस्वीरों में दिख रहा है, जिस हॉल में सबमरीन बन रही है उसके बाहर की तैयारियां बताती हैं कि पोत लॉचिंग को तैयार है। जुलाई 2019 में उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के शिपयार्ड का दौरा करने के बाद सबमरीन की फोटो जारी हुई थी। कंस्ट्रक्शन साइट पर जहां पहले सामान पड़ा था वह जगह भी खाली हो गई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि परमाणु क्षमता से संपन्न पुकगुकसॉन-3 मिसाइल की मारक क्षमता 1900 किमी है। सबमरीन 1950 के सोवियत डीजल इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन व मिसाइल लांच टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो अब ज्यादा कारगर नहीं है। अमेरिका पर हमला करने के लिए सबमरीन को आने-जाने में 12 हजार किमी दूरी तय करनी पड़ेगी। जबकि इसकी कुल क्षमता सात हजार किमी ही है। जैसे ही यह पानी में उतरेगी, इसकी खबर दुनिया को हो जाएगी।

जंगल की आग...

दक्षिण अफ्रीकी सैन्य हेलीकॉप्टर केपटाउन के टेबल माउंटेन पर जंगल की आग बुझाने का प्रयास करते हुए।

संक्षेप में...

अगले आदेश तक सुप्रीम कोर्ट बंद

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 22 अप्रैल से सुप्रीम कोर्ट सिर्फ जरूरी मामलों की ही सुनवाई करेगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एक और सर्कुलर जारी किया है जिसमें कहा गया है कि 22 अप्रैल से नियमित अदालतें नहीं बैठेंगी। कोर्ट ने 22 अप्रैल की मुकदमों की सुनवाई की जारी लिस्ट निरस्त कर दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के कई जज और कर्मचारी कोरोना वायरस के संक्रमित हैं। सर्कुलर में कहा गया है कि एडवोकेट आन रिकार्ड और पार्टी इन परसन मामलों की सुनवाई के लिए एक मेंशनिंग अर्जी देंगे जिसमें तत्काल सुनवाई का कारण बताएंगे। ऐसे मामलों मे बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका, जमानत और मृत्युदंड जैसे मामले हो सकते हैं।

तालिबान के ठिकानों पर हमला, 15 आतंकवादी मरे

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी कंधार प्रांत में तालिबान के ठिकानों पर लड़ाकू विमान से किए गए हमले में 15 आतंकवादी मारे गए। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यहां एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि हमले में पांच आतंकवादी घायल हो गए, जो पंजवेई जिले के कुछ हिस्सों को कवर करते हैं। बयान में कहा गया है कि लड़ाकू विमानों द्वारा समर्थित जमीनी सेना कंधार और इसके आसपास के क्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों पर हमला करना जारी रखेगी। बयान में कहा गया है कि पंजवेई और पड़ोसी अरगंदब जिले से कुल 310 एंटी-व्हीकल और एंटी-पर्सनल माइंस को बरामद किया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि तालिबान आतंकवादी कंधार शहर के साथ कंधार प्रांत के कुछ हिस्सों में सक्रिय हैं, जो कि काबुल से 450 किलोमीटर दक्षिण में हैं।

दुबई की राजकुमारी को तत्काल रिहा करने की मांग

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के साथ मिलकर काम कर रहे स्वतंत्र विशेषज्ञों ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात सरकार से दुबई के प्रभावशाली शासक की बेटी के बारे में और जानकारियां देने को कहा है। राजकुमारी के बारे में दावा किया गया है कि उसे अगवा कर लिया गया है। विशेषज्ञों ने शेख लतीफिया बिंत मोहम्मद अल मकतूम की तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने लतीफिया के जीवन पर मंडरा रहे संभावित खतरों को लेकर चिंता भी व्यक्त की। विशेषज्ञों ने कहा कि हम बेहद चिंतित हैं कि फरवरी में एक फुटेज सार्वजनिक तौर पर जारी की गई, जिससे पता चलता है कि लतीफिया को उनकी इच्छा के विरुद्ध आजादी से वंचित किया जा रहा है।

चेन्नई में उपनगरीय ट्रेन सेवाएं रात 10 बजे तक

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने चेन्नई में उपनगरीय ट्रेनों की समय सारणी में बड़े बदलावों की घोषणा की है, अब रात में चेन्नई निगम द्वारा लगाए गए कर्फ्यू के दौरान रात 10 बजे के बाद कोई ट्रेन संचालित नहीं होगी। पहली ट्रेन सुबह 4 बजे के बाद शुरू होगी और 86 सह-शहरी सेवाएं रविवार को संचालित की जाएंगी, क्योंकि प्रशासन ने शहर में रविवार को लॉकडाउन की घोषणा की है।

इजरायल में 8 महीने बाद सभी स्कूल और कॉलेज पूरी तरह खुले

56% आबादी को वैक्सीनेट किया, मास्क लगाना अब जरूरी नहीं

यरूशलम ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के खिलाफ इजराइल ने बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। देश की 56% आबादी को यहां वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। इसके बाद घर से बाहर मास्क लगाने का नियम भी वापस ले लिया गया है। देश के सभी स्कूल और कॉलेज अब फुल स्ट्रेन्थ के साथ पूरी तरह खोल दिए गए हैं। हालांकि, कोविड-19 के खिलाफ कुछ नियम अब भी जारी रखने का फैसला किया गया है। सोशल मीडिया पर इजराइली नागरिकों के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वे मास्क हटाते नजर आ रहे हैं। इजराइल ने वैक्सीन मिलने के बाद 100 दिन में 50% आबादी को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य तय किया था। अब तक 56% लोगों को दोनों डोज, जबकि 81% लोगों को पहला डोज लगाया जा चुका है। 16 साल से ऊपर के लोगों को वैक्सीनेशन ड्राइव में शामिल किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स से बातचीत में 35 साल की एली ब्लीच ने कहा- मैं बेहद खुश हूं कि अब खुली हवा में सांस ले पा रही हूं। उन्होंने भी मास्क हटाने का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है।

कुछ इजराइली जहां मास्क की अनिवार्यता का नियम हटने से खुश हैं तो कुछ ऐसे भी हैं जो ये कहते कि उन्हें अब मास्क लगाने की आदत हो गई है। एक नागरिक ने कहा- मैं यह मानने को तैयार नहीं हूं कि महामारी खत्म हो गई है। हम मास्क लगाने के आदी हो चुके हैं। हो सकता है आने वाले वक्त में यह हमेशा एलर्जी से बचाए। इसलिए इसे लगाने में कोई बुराई नहीं है। जनवरी में हर रोज यहां 10 हजार संक्रमित मिल रहे थे। अब यह संख्या 100 से भी कम हो गई है। विजमैन साइंस सेंटर के प्रोफेसर एर्न सीगल ने कहा- हमारे देश में 85% लोग या तो इस वायरस से उबर चुके हैं या हम उन्हें वैक्सीनेट कर चुके हैं।

कुछ नियम अब भी मानने होंगे

जिन लोगों को वैक्सीन लग चुके हैं, उन्हें इंडोर प्रोग्राम में हिस्सा लेने की मंजूरी होगी। वे रेस्टोरेंट्स और होटल्स में जा सकेंगे। लेकिन, इस दौरान मास्क जरूरी होगा। भारत में फैल रहे नए वैरिएंट को लेकर इजराइल सतर्क है। एक एक्सपर्ट का मानना है कि नए वैरिएंट्स पर नजर रखनी होगी क्योंकि इससे लोग फिर संक्रमित हो सकते हैं, हालांकि ये खतरनाक नहीं होगा।

कोरोना के वैश्विक मामले बढ़कर 14.26 करोड़ हुए

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के अनुसार वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14.26 करोड़ हो गई है, जबकि इस महामारी की चपेट में आकर कुल 30.4 लाख लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। बुधवार सुबह अपने नवीनतम अपडेट में, यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने खुलासा किया कि वर्तमान वैश्विक कोरोना मामले और इससे हुई मौतों की संख्या क्रमशः बढ़कर 142,621,220 और 3,041,541 हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया में सबसे अधिक 31,792,013 मामले और 568,460 मौतों के साथ सबसे खराब स्थिति वाला देश अमेरिका है।

ब्रिटेन में 7 माह बाद एक दिन में 4 मौत, मौतों की दर 70% घटी

लंदन। कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन मौतों का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70% घट गई है। इसके अलावा ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17% कम हुई है। पिछले हफ्ते वहां 3568 मरीज मिले थे, लेकिन बीते 24 घंटों में 2963 केस मिले हैं। टीकाकरण से उत्साहित ब्रिटेन अब अपने नागरिकों के लिए इस साल बूस्टर डोज लगाने की तैयारी में है। बूस्टर डोज से कोरोना के किसी भी वेरियंट से लड़ने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने बताया कि हमें किसी भी हाल में जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना है, इसलिए जुलाई के अंत तक देश में सभी वयस्कों को टीके की पहली डोज लगा दी जाएगी। 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को देश में टीके लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम 17 मई तक किसी भी हाल में इंडोर और आउटडोर गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल ट्रैवल भी खोलने की तैयारी में हैं। चिली में करीब 40% आबादी को वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

गुजरात हाईकोर्ट ने रेमडेसिविर की जमाखोरी पर दिया नोटिस

गांधीनगर ■ एजेंसी

गुजरात हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने राज्य भाजपा अध्यक्ष और नवसारी सांसद, सीआर पाटिल, सूरत विधायक, हर्ष संघवी और राज्य सरकार के साथ-साथ सूरत कलेक्टर, गुजरात राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) द्वारा दायर, परेश धनानी ने सूरत बीजेपी के कार्यालय से रेमडेसिविर इंजेक्शन के अवैध और अनधिकृत वितरण को लेकर एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। एलओपी, परेश धनानी ने पिछले गुरुवार को गुजरात भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत आर पाटिल, माजुरा (सूरत) निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा विधायक, गुजरात सरकार के मुख्य सचिव अनिल मुकीम, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, जयंती रवि, एफडीसीए आयुक्त, हेमंत कोशिया, सूरत कलेक्टर और सूरत पुलिस आयुक्त के खिलाफ अनधिकृत रूप से रेमडीसविर इंजेक्शनों को अवैध रूप से प्राप्त करने, स्टॉक करने और वितरित करने के लिए एक जनहित याचिका दायर की थी।

धनानी ने अपनी जनहित याचिका में कहा था कि भले ही पाटिल और संघवी रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट नहीं थे और ना ही उन्होंने शिलान्यास करने, खरीद, जमा करने और वितरण करने की कोई कानूनी क्षमता हासिल की थी, लेकिन उन्होंने इंजेक्शनों की जमाखोरी की और सूरत में भाजपा पार्टी कार्यालय से उन्हें वितरित किया। इन इंजेक्शनों को कोविड-19 के हताश समय में उसी की आवश्यकता के लिए वितरित किया गया था, खासकर जब इन इंजेक्शनों की कमी थी। यहां तक कि सूरत में भाजपा कार्यालय में कोविड प्रमाणपत्र और डॉक्टर के पर्चे प्रदान करने की शर्त पर, रेमडेसिविर इंजेक्शन का वितरण अवैध है और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम, फामेर्सी अधिनियम, ड्रग्स नियंत्रण अधिनियम और सीआर के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक आवेदन के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है। आनंद याग्निक ने कहा, धनानी के वकील ने उन्हें जमा किया।

वैक्सीन की रणनीति नोटबंदी से कम नहीं है: राहुल

■ नईदिल्ली

कोरोना काल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार पर लगातार हमला करते आ रहे हैं। वहीं एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि केंद्र की वैक्सीन रणनीति पर हमला किया और आरोप लगाया कि यह नोटबंदी की तरह है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, केंद्र सरकार की वैक्सीन रणनीति नोटबंदी से कम नहीं है। आम जन लाइनों में लगेंगे। धन, स्वास्थ्य और जान का नुकसान झेलेंगे और अंत में सिर्फ कुछ उद्योगपतियों का फायदा होगा।

चिदंबरम ने मंगलवार को कहा था, संशोधित वैक्सीन नीति के तहत, केंद्र सरकार जिम्मेदारी लेने से भाग रही है। राज्यों को नुकसान हो रहा है। टीके निमार्ताओं को मुनाफाखोरों के लिए प्रोत्साहित कर रही है और राज्यों के साथ-साथ गरीब और अमीर भारतीयों के बीच असमानता को और भी बदतर कर देगी।

एनआईटी-श्रीनगर बंद, हॉस्टल खाली करने को कहा

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी)-श्रीनगर ने कश्मीर में फैले कोवड संक्रमण के मद्देनजर बुधवार को छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सप्ताह के भीतर ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने और हॉस्टल बंद करने का आदेश दिया। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक एनआईटी-श्रीनगर में देशभर के छात्र हैं। प्रबंधन की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है, सभी यूजी/पीजी/रिसर्च स्कॉलर्स को सूचित किया जाता है कि अगले आदेश तक सभी शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। अगले आदेश तक संकाय/पर्यवेक्षकों के साथ कोई ऑफलाइन इंटरैक्शन या गतिविधि नहीं होगी। यह आदेश भी दिया गया है कि सभी आवासीय छात्र बिना किसी देरी के तुरंत हॉस्टल खाली कर दें। जम्मू-कश्मीर के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों और कोचिंग सेंटरों को पहले ही 15 मई तक बंद कर दिया गया है।

पूर्व पुलिस अफसर डेरेक चॉविन हत्या का दोषी करार

मिनेपोलिस। अमेरिका में बीते साल अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के मामले में पूर्व पुलिस अफसर डेरेक चॉविन को दोषी ठहराया गया है। उसकी सजा का ऐलान अगले दो महीने में किया जाएगा। माना जा रहा है कि चॉविन को अधिकतम 40 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। चॉविन पर आरोप है कि उन्होंने 46 साल के फ्लॉयड की गर्दन पर 9 मिनट 29 सेकंड तक फ्लॉयड की गर्दन अपने घुटने से दबाई, जिससे उसकी मौत हो गई। 6 श्वेत, 6 अश्वेत और एक मल्टीरेशियल जज की ज्यूरी ने करीब 10 घंटों की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। चॉविन सभी मामलों में दोषी पाए गए हैं। कोर्ट की तरफ से फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद ही चॉविन की जमानत भी रद्द हो गई थी। इसके बाद उन्हें हथकड़ियों में ले जाया गया।

असम में ओएनजीसी के तीन कर्मचारियों का अपहरण

कोलकाता ■ एजेंसी

एक निजी तेल कंपनी के दो कर्मचारियों को रिहा करने के एक पखवारे के अंदर संदिग्ध यूएलएफए के उग्रवादियों ने बुधवार को तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के तीन कर्मचारियों को असम के शिवसागर जिले के लकवा से कथित रूप से अपहरण कर लिया। ओएनजीसी के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि उन्हें अपहरण में प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (इंडिपेंडेंट) (यूएलएफए-आई) की संलिप्तता पर संदेह है। बुधवार की सुबह ट्वीट्स की एक श्रृंखला में ओएनजीसी ने कहा कि कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर ओएनजीसी से संबंधित एक वाहन में अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा अपहरण किया गया था। वाहन को बाद में असम-नागालैंड सीमा के करीब निमोनागढ़ जंगलों के पास छोड़ दिया गया था। शिवसागर एसपी अमिताव सिन्हा ने आईएएनएस को बताया, अगवा किए गए तीनों लोग असम के स्थानीय निवासी हैं। नागालैंड पुलिस और असम-नागालैंड सीमा पर तैनात सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सिन्हा ने कहा, नागालैंड का मोन जिला अपहरण की घटना से दूर नहीं है और कार को नागालैंड सीमा के पास छोड़ दिया गया। इसलिए वहां की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। तीनों कर्मचारियों की पहचान शिवनगर जिले के मोहिनी मोहन गोगोई, (जूनियर टेक्नीशियन प्रोडक्शन), जोरहाट जिले के अलोकेश सैकिया (असिस्टेंट जूनियर इंजीनियर, प्रोडक्शन) और गोलाघाट जिले के रितुल सैकिया (असिस्टेंट जूनियर इंजीनियर, प्रोडक्शन) के रूप में की गई है।

विश्व पृथ्वी दिवस — चीन के हपेई प्रांत के श्योंगआन नवक्षेत्र में विशाल भूमि में हो रहा है वन रोपण

पृथ्वी पर एक नया हरित स्थान 'सहस्राब्दी वन'

बीजिंग ■ एजेंसी

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस है। यह वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिए खासतौर पर स्थापित एक दिवस है, जिसका उद्देश्य मौजूदा पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण अभियान में नागरिकों का भाग लेना, हरित और कम कार्बन वाले जीवन के माध्यम से पृथ्वी के समग्र पर्यावरण में सुधार करना है। इधर के सालों में चीन पर्यावरण संरक्षण पर बड़ा महत्व देता है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग कभी-कभार कहते हैं कि स्वच्छ जल और हरे-भरे पहाड़ अमूल्य संपत्ति हैं। उनका यह भी कहना है कि अपने नेत्रों की भांति ही पारिस्थितिक पर्यावरण की रक्षा की जाए, और जीवन की भांति ही पारिस्थितिक पर्यावरण के साथ व्यवहार किया जाए। उनका यह भी कहना है कि पारिस्थितिक और पर्यावरण संरक्षण एक महान कार्य है जो वर्तमान में अहम है और भविष्य में लाभ देगा।

वर्तमान में हपेई प्रांत के श्योंगआन नव क्षेत्र का निर्माण जोरों पर है। 16 जनवरी, 2019 को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हपेई प्रांत के श्योंगआन नव क्षेत्र के निरीक्षण दौरे पर एक खास जगह की यात्रा की, जहां विशाल भूमि में वन रोपण किया जा रहा है, इसे 'सहस्राब्दी वन' कहा जाता है। श्योंगआन नव क्षेत्र की स्थापना साल 2017 में हुई, जो राष्ट्रपति शी चिनफिंग से केंद्रित चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति द्वारा किया गया एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रणनीतिक विकल्प है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक चार सालों में श्योंगआन नव क्षेत्र में तीन गुनी रात चौगुनी परिवर्तन हो रहा है, खासकर पारिस्थितिक पर्यावरण के निर्माण क्षेत्र में।

पहले वृक्षारोपण किया जाए, फिर शहर का निर्माण। यह श्योंगआन नव क्षेत्र के निर्माण की एक नई अवधारणा है। इस तरह श्योंगआन नव क्षेत्र पारिस्थितिकी की प्राथमिकता देते हुए हरित विकास पर महत्व देता है। साल 2018 में पारित 'हपेई श्योंगआन नव क्षेत्र की परियोजना' के अनुसार, नव शहर के निर्माण के दौरान श्योंगआन में नीले और हरित स्थानों का क्षेत्रफल 70 प्रतिशत होगा। अपनी स्थापना से लेकर अब तक पिछले चार सालों में श्योंगआन में 27 हजार हेक्टेयर के क्षेत्रफल में 2 करोड़ से अधिक वृक्षों का रोपण किया जा चुका है। नव क्षेत्र में वन कवरेज दर 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने श्योंगआन के दौरे पर कहा था कि बेहतर पारिस्थितिक पर्यावरण श्योंगआन नव क्षेत्र का महत्वपूर्ण मूल्य प्रतिबिंबित करता है। नीला आसमान, स्वच्छ जल, हरित पर्यावरण होना चाहिए। भविष्य में जीवन का सबसे उच्चतम मापदंड पारिस्थितिकी से जुड़ा हुआ है। श्योंगआन का निर्माण एक 'सहस्राब्दी योजना' है, जिसकी शुभारंभ 'सहस्राब्दी वनों' से होनी चाहिए।

वर्तमान में श्योंगआन नव क्षेत्र में 'सहस्राब्दी वनों' का आकार बुनियादी तौर पर सामने आ गया है। विशाल वन में न केवल स्थानीय लोग, बल्कि पेइचिंग और थ्येनचिन जैसे आसपास के शहरों से पर्यटक आते हैं। वन उद्यान में 'वन बिग डेटा सिस्टम' का अभिनव अनुप्रयोग किया जाता है। प्रत्येक पेड़ों पर एक क्यूआर कोड चिन्हित किया गया है। इसे स्कैन करके लोग पेड़ों की प्रजातियां, उत्पत्ति स्थल, पेड़ रोपण का समय, इसकी जिम्मेदारी लेने वाले व्यक्ति, पेड़ के विकास की जानकारी आदि सूचना प्राप्त कर सकते हैं। इससे न केवल पर्यटक पेड़ से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि पेड़ों के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को साकार करने के लिए भी लाभदायक है। 'सहस्राब्दी वनों' से हमारे पास सहस्राब्दी में हरे-भरे पर्यावरण में जीवन बीत सकते हैं। आने वाले दिनों में श्योंगआन नव क्षेत्र में वन रोपण के जोरदार विकास से यहां चीन में ही नहीं, पृथ्वी पर हरे रंग की एक विशाल भूमि पैदा होगी, जो वैश्विक पारिस्थितिक पर्यावरण विकास के लिए बड़ा योगदान भी है।

संपादकीय

युद्धस्तर पर हो तैयारी

कोविड रोधी टीकों की उपलब्धता बढ़ाने की तैयारी स्वाभाविक ही है, लेकिन यह तैयारी युद्धस्तर पर करने की जरूरत होगी, क्योंकि अगले माह यानी करीब दस दिन बाद से 18 साल से ऊपर के सभी लोगों के टीकाकरण का अभियान प्रारंभ होने जा रहा है। अभी तक केवल 45 साल से ऊपर की आयु वालों का ही टीकाकरण हो रहा है। जब इस अभियान के दायरे में 18 साल से अधिक आयु वाले भी शामिल हो जाएंगे तो टीके के लिए पात्र आबादी बहुत अधिक बढ़ जाएगी, क्योंकि इस आयु वर्ग की जनसंख्या कहीं अधिक है। 18 साल से अधिक आयु वालों के टीकाकरण का फैसला भारत की बढ़ती क्षमता का परिचायक तो है ही, इस बात का प्रतीक भी है कि सरकार कोरोना काल की चुनौतियों का सामना करने के लिए कमर कसे हुए है। यह कहा जा सकता है कि 18 साल से अधिक आयु वालों को टीकाकरण के दायरे में लाने का फैसला कुछ देर से लिया गया, लेकिन इस देरी के पीछे के कारणों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। यह समझने के लिए किसी को विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं कि यदि पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध होते तो ऐसा कोई फैसला पहले लेने में देर नहीं की जाती। यदि आने वाले दिनों में कहीं अधिक मात्रा में टीके उपलब्ध होने जा रहे हैं तो इसके लिए सरकार की सक्रियता के साथ भारतीय फार्मा उद्योग की ताकत भी है। इस उद्योग के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी क्षमता और अधिक बढ़ाए तथा टीके के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल की उपलब्धता के लिए विदेशी निर्भरता घटाए।

यह अच्छा हुआ कि 18 वर्ष से अधिक आयु वालों के टीकाकरण अभियान की घोषणा करते हुए यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि आयातित टीकों की मनमानी कीमत नहीं वसूली जा सकेगी और घरेलू कंपनियों के टीके खुले बाजार में निर्यात कीमत पर बिक सकते हैं। उम्मीद की जाती है कि इन उपायों से टीकाकरण के अगले चरण के अभियान को सुगमता से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, लेकिन इसी के साथ ऐसे कदम उठाए जाने की भी जरूरत बनी हुई है, जिससे कोरोना के बढ़ते संक्रमण को थामा जा सके। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि तमाम सतर्कता और यहां तक कि लॉकडाउन जैसे फैसले लिए जाने के बावजूद संक्रमण की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। चिंता की बात यह है कि तमाम सख्ती के बावजूद लोगों की ओर से लापरवाही का परिचय देने का सिलसिला अभी भी कायम है। कोरोना से डरने की जरूरत नहीं तो इसका यह मतलब नहीं कि उससे सावधान भी नहीं रहना।

कोरोना की भयावह वापसी के लिए कौन जिम्मेदार

सुरेन्द्र कुमार किशोरी

> सरकार ने वैक्सीन के बारे में कुछ इस तरह से प्रचार किया कि आम लोग के समझ में यह बात बैठ गयी कि वैक्सीन के आ जाने भर से ही कोरोना से अब उसका कुछ बिगड़ नहीं सकता है। परिणाम आम लोग संयम और सतर्कता तथा मास्क और व्यक्तिगत स्वच्छता से कन्नी काटने लगे तथा सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त हो गई। यहीं सबसे बड़ी चूक हुई है, जिसका खामियाजा अब भारत भुगत रहा है, यह चूक ही इस कोरोना काल में सबसे बड़ा काला अध्याय है।

आज कोरोना महामारी अपने विकराल रूप में सबके सामने है। लोग मर रहे हैं, परिवार के सदस्य परिजनों को खोने के गम में पथराई आंखों से शून्य में निहार रहे हैं। श्मशान में शवदाह की अग्नि जल रही है, श्मशान की भयावहता को देख आमजन की रुह कांपे नहीं, इसलिए श्मशान की दीवारें ऊंची की जा रही है, नए-नए कब्रिस्तान तैयार किये जा रहे हैं। पिछले साल यह स्थिति अमेरिका, इटली तथा अन्य दूसरे देश में हुई थी, तब हम इसे लेकर गंभीर नहीं थे। हम उस समय यह समझ नहीं पाए कि मौजूदा दौर में भारत में सक्रिय कोरोना का स्ट्रेन बेहद कमजोर है, इसलिए इतना पैनिक नहीं है। लेकिन आज के समय में अपने देश में सक्रिय स्ट्रेन म्यूटेशन के पश्चात काफी स्ट्रांग हो चुका है तो इसके कारण मोर्टेलिटी रेट काफी बढ़ता जा रहा है। हमारे पास सालभर का समय था, लेकिन हम संभले नहीं तो अब भुगतने की बारी भी तो हम ही लोगों की है।

आज स्थिति क्या है, कोविड पीड़ित अस्पताल में बेड के लिए जूझ रहे हैं। रेमिडसिवर जैसी जीवन रक्षक दवाई की उपलब्धता के लिए जूझ रहे हैं। वेंटिलेटर तो तब दूर की कौड़ी नजर आती है जब कोविड पीड़ित अस्पतालों में ऑक्सीजन गैस की कमी से जूझते हुए दिखाई देते हैं। एनएमसीएच पटना के अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार सिंह को ऑक्सीजन की कमी के कारण व्यथित होकर अपने पद से इस्तीफा की पेशकश करनी पड़ी। आखिर इस स्थिति में सिस्टम के फेल्योर के लिए जिम्मेदार कौन है। आखिर महामारी एक्ट के लागू होने के बाद महामारी पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य सुविधा बहाल रखने की जिम्मेदारी किसकी है। पिछले साल जब कोरोना का प्रथम लहर कमजोर पड़ गया था, तो कोरोना नियंत्रण को लेकर लोग पीठ थपथपा रहे थे। उसी दौरान चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों ने निकट भविष्य में दूसरी लहर की चेतावनी दी थी। सरकार के पास प्रथम लहर का मुकम्मल ब्लू प्रिंट था और उस ब्लू प्रिंट के सहारे दूसरी लहर से निपटने की योजना बनाने के लिए तकरीबन छह महीने का समय। लेकिन शायद सरकार ने यह समझ लिया कि जिस तरह से प्रथम लहर में इंसानी जान की व्यापक क्षति नहीं हुई, उसी तरह से दूसरी लहर को भी भारत झेल लेगा।

सरकार ने वैक्सीन के बारे में कुछ इस तरह से प्रचार किया कि आम लोग के समझ में यह बात बैठ गयी कि वैक्सीन के आ जाने भर से ही कोरोना से अब उसका कुछ बिगड़ नहीं सकता है। परिणाम आम लोग संयम और सतर्कता तथा मास्क और व्यक्तिगत स्वच्छता से कन्नी काटने लगे तथा सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त हो गई। यहीं सबसे बड़ी चूक हुई है, जिसका खामियाजा अब भारत भुगत रहा है, यह चूक ही इस कोरोना काल में सबसे बड़ा काला अध्याय है। सामाजिक और समसामयिक मुद्दों को लेकर मुखरता से अपनी बात कहने-लिखने वाले डॉ. अभिषेक कुमार कहते हैं कि साल भर का समय मिलने के बावजूद सरकार द्वारा ऑक्सीजन जैसी जीवन रक्षक गैस की उत्पादकता और उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं कि गई। पीएम केयर फंड में जमा राशि से खरीदे गए वेंटिलेटर की उपलब्धता आम जनों के लिए हितकर साबित क्यों नहीं हो रही है।

कल तक तो हम लैब की क्षमता को लेकर अपनी पीठ थपथपा रहे थे, लेकिन आज हालात ऐसी है कि आरटी-पीसीआर रिपोर्ट के लिए छह से आठ दिन का समय लग रहा है। आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नहीं रहने पर मरीज को हॉस्पिटल एडमिट नहीं कर रहा है। तब तक मरीजों का क्या होगा, होम आइसोलेशन के नाम पर मरीजों को समय पर चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध नहीं करवाकर कम्प्यूटर सिस्टम से संवाद करवाया जा रहा है। जोखिम क्षेत्र (कंटेनमेंट जोन) में आवश्यक खाद्य पदार्थ और दवाई की उपलब्धता के लिए किसी प्रतिनिधि की नियुक्ति क्यों नहीं कि जा रही है। क्या कंटेनमेंट जोन में होम आइसोलेशन में रह रहे संक्रमित व्यक्ति खुद बाजार जाएं, सिस्टम के इस फेल्योर के लिए जिम्मेदार कौन है। यह जिम्मेदारी तो उसी की बनेगी जो कल तक कमजोर कोरोना स्ट्रेन को नियंत्रित कर लेने का दावा कर अपनी पीठ थपथपा रहे थे। कोरोना के प्रथम लहर के दौरान हम बहुत हद तक संयमित थे, भीड़-भाड़ वाले जगहों से परहेज कर रहे थे, अनावश्यक यात्रा से बच रहे थे, मास्क और सेनिटाइजर के उपयोग के प्रति सतर्क थे, कोरोना के प्रति चेतनशील और जागरूक थे। हम काढ़ा पीते थे, योगा करते थे, हमारे अंदर डर था, लेकिन जैसे ही वैक्सीन आई कि हमारा डर काफूर हो गया और खुद को सुपरमैन समझने लगे। बेखौफ होकर कहीं की भी यात्रा पर निकलने लगे, कहीं भी अनावश्यक भीड़ का हिस्सा बनने लगे, मास्क और सेनिटाइजर से नाता तोड़ लिया। परिणाम हम खुद भी संक्रमित होने लगे और सुपर स्प्रेडर बनकर दूसरों को भी संक्रमित करने लगे।

काश कि हम आम जन कोरोना को गंभीरता से लेते और अपने स्वास्थ्य के प्रति चेतनशील बने रहते तो आज स्थिति इतनी भयावह नहीं होती। लाशों का अंबार नहीं लगता। अभी भी वक्त हाथ से फिसला नहीं है, हम गिरे जरूर हैं, लेकिन हमारे अंदर संभलने का माद्दा भी पर्याप्त है। जरूरत है फिर से सोच को सकारात्मक रखकर अपनी समस्त ताकत के साथ इस अदृश्य दुश्मन से दो-दो हाथ करने की। लेकिन ध्यान यह भी रखना है कि हमारे हाथ में शस्त्र के रूप में अब भी मास्क और सेनिटाइजर ही है। वैक्सीन रूपी कवच का साथ भी है।

।। अनमोल वचन ।।

लोग अपने कर्तव्य भूल जाते हैं लेकिन अपने अधिकार उन्हें याद रहते हैं।

> केंद्र सरकार की वैक्सीन रणनीति नोटबंदी से कम नहीं-आम जन लाइनों में लगेंगे, धन, स्वास्थ्य व जान का नुकसान झेलेंगे, और अंत में सिर्फ कुछ उद्योगपतियों का फायदा होगा।
>
> राहुल गांधी, कांग्रेस

> पाकिस्तान जून, 2018 से एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल है और उसे फरवरी, 2020 में अंतिम चेतावनी दी गई थी कि उसी वर्ष जून तक 27 कार्रवाई बिंदुओं को पूरा करे। एफएटीएफ की समीक्षा किसी भी समय होने वाली है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में तीन बार डाले जाने के कारण पाकिस्तान को कुल 38 अरब डॉलर की आर्थिक हानि हुई है। और वह इस सूची में रहना अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी। अब तक वह चीन, तुर्की और मलयेशिया के समर्थन से बचा हुआ है। और फिर भारत के लिए एक मित्रवत भाव की तुलना में सबसे महत्वपूर्ण क्या हो सकता है, जो पाकिस्तान संचालित आतंकी गुटों की आतंकवादी कार्रवाइयों से सर्वाधिक परेशान रहा है?

पाकिस्तान के झांसे में न आए भारत

निसंदेह वैश्विक समुदाय ने तब काफी राहत महसूस की, जब पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने को बढ़ावा दिया और कहा कि दोनों देश अतीत को भूलकर आगे बढ़ें, जिसका बाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी बराबरी से समर्थन किया। पाकिस्तान नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकतरफा संघर्ष विराम का प्रस्ताव लेकर आया, जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने दिल से और अक्षरशः पालन किया। भारत ने उचित शब्दों के साथ जवाब दिया और इमरान खान को बांग्लादेश ले जाने वाले विमान को भारतीय हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति दी गई थी। फरवरी 2019 में भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों द्वारा बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण ठिकानों पर हमले के बाद इस प्रस्ताव की सहजता विशेष रूप से काफी चौंकाने वाली थी। और बालाकोट में भारतीय सेनाओं का हवाई हमला पुलवामा आतंकी हमले की प्रतिक्रिया में था, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे और जैश-ए-मोहम्मद ने उस आतंकी हमले का दावा किया था। अब हम जानते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजनीतिक नेतृत्व ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में भूमिका निभाई है और यहां तक कि कथित रूप से इस उद्देश्य के लिए उन्होंने नई दिल्ली का दौरा भी किया था। कुछ दिनों पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी एक ही समय आबु धाबी में थे, लेकिन दोनों के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई। इसके

कारणों पर दोनों देशों ने आधिकारिक रूप से अभी टिप्पणी करना मुनासिब नहीं समझा, शायद चुप रहने में समझदारी समझी गई।

हालांकि एक और मामला है, जिसने पाकिस्तान को नरम रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है, क्योंकि यूएई ने अपना एक अरब डॉलर वापस मांगा था, जिससे पाकिस्तान सरकार के अधिकारी दहशत में थे। इस पूरी राशि को लौटाने की अंतिम समय सीमा 12 मार्च थी, जो अब भी बकाया है। तो क्या यूएई की यह योजना अपने धन वसूली की योजना थी, जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तान द्वारा प्रेरित है? क्योंकि यूएई का भारत के साथ अच्छा रिश्ता है। अथवा फाइनेंशियल ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के दबाव से बचने के लिए पाकिस्तान ने यह रुख अख्तियार किया है? यूएई खाड़ी सहयोग परिषद का ताकतवर सदस्य है और यह संगठन काफी प्रभावशाली है। और ऐसे पड़ाव पर भारत की चुप्पी बड़ी मददगार साबित हो सकती है। इसलिए, हमें एफएटीएफ से जुड़ी कुछ समवर्ती घटनाओं पर नजर डालनी चाहिए, जिन्होंने पाकिस्तान को बहुत प्रभावित किया और उसे अपने रणनीतिक रुख में बदलाव के लिए प्रेरित किया। पाकिस्तान जून, 2018 से एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल है और उसे फरवरी, 2020 में अंतिम चेतावनी दी गई थी कि उसी वर्ष जून तक 27 कार्रवाई बिंदुओं को पूरा करे। एफएटीएफ की समीक्षा किसी भी समय होने वाली है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में तीन बार डाले जाने के कारण पाकिस्तान को कुल 38 अरब डॉलर की आर्थिक हानि हुई है। और वह इस सूची में रहना अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी। अब तक वह चीन, तुर्की और मलयेशिया के समर्थन से बचा हुआ है। और फिर भारत के लिए एक मित्रवत भाव की तुलना में सबसे महत्वपूर्ण क्या हो सकता है, जो पाकिस्तान संचालित आतंकी गुटों की आतंकवादी कार्रवाइयों से सर्वाधिक परेशान रहा है?

जमात उद दावा के प्रमुख हाफिज सईद के नेतृत्व वाले लश्करे तैयबा को 2008 के मुंबई हमले के लिए जिम्मेदार माना गया। आतंकी फंडिंग के लिए हाफिज सईद को दस साल की सजा मिली, लेकिन मुंबई हमले के लिए नहीं। मुंबई हमले के साजिशकर्ता और लश्करे तैयबा के कमांडर जकीउर रहमान लखवी, जिसने मुंबई हमले को संचालित किया था, उसे जनवरी, 2001 में पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी एक अदालत ने आतंकी फंडिंग के लिए 15 वर्षों के जेल की सजा सुनाई, लेकिन मुंबई हमले में उसकी संलिप्तता के लिए नहीं। विडंबना यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति ने व्यक्तिगत खर्चों को पूरा करने के लिए लखवी को 1.5 लाख पाकिस्तान रुपये के मासिक भुगतान की अनुमति दी। और यह उसकी गिरफ्तारी और सुनवाई से दस दिन पहले हुआ। आश्चर्यजनक ■ नईदिल्ली सुनवाई और सजा एक दिन में समाप्त हो गई। इसलिए भारत के इस आकलन में दम है कि पाकिस्तान के इस प्रस्ताव के दूरगामी लक्ष्य हैं और एफएटीएफ से राहत का लाभ लेने के लिए इसे पाकिस्तानी सेना के इशारे पर पेश किया गया है। इन खुलासों के बावजूद इस बात का कोई आश्वासन नहीं है कि पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो चुका है। इसकी पहुंच अफगानिस्तान सहित सभी क्षेत्रों में है, जहां भारत के प्रमुख भूमिका निभाने की संभावना है। यह सरल स्पष्टीकरण कि एकमात्र विवाद का मुद्दा कश्मीर का समाधान है, जिसे हल करने की आवश्यकता है, से स्पष्ट है कि अब उसके हाथ में कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इस मामले में मूल बात यह है कि भारत के साथ पाकिस्तान द्वारा समर्थन करने का रणनीतिक सिद्धांत जारी रहेगा।

प्रशांत दीक्षित

प्रेरक प्रसंग

सांसारिक जिम्मेदारियों से हटकर नहीं मिलती मुक्ति

उन दिनों चारों ओर स्वामी रामकृष्ण परमहंस की चर्चा थी। युवा पीढ़ी में उनका शिष्य बनने की होड़ सी लगी थी। दूर-दूर से युवक आते और उनसे शिष्य बनने की प्रार्थना करते। एक दिन इसी उद्देश्य से एक उत्साही युवक रामकृष्ण परमहंस के पास पहुंचा। परमहंस के चरणों में झुक कर उसने कहा, गुरुदेव, मुझे अपना शिष्य बनाकर गुरु मंत्र दीजिए, ताकि मैं भी एक संत बन सकूं। युवक की बात सुनकर परमहंस मुस्कुराए, मगर चुप रहे।

कुछ देर बाद परमहंस ने उससे पूछा, यह बताओ कि तुम्हारे परिवार में तुम्हारे अलावा और कौन-कौन लोग हैं? युवक बोला, मेरे अलावा सिर्फ मेरी एक बूढ़ी ...ब परमहंस ने पूछा, तुम साधु क्यों बनना चाहते हो? मैं इस मोह-माया और ऊंच-नीच से भरे संसार को छोड़कर मुक्ति पाना चाहता हूं, युवक बोला। इस पर परमहंस ने कहा, तुम मुक्ति नहीं चाहते, बल्कि अपनी जवाबदेही से भाग रहे हो। मुक्ति तो एक बहाना है। तुम्हारी सामाजिक जिम्मेदारियां भी हैं। तुम्हें लगता है कि साधु बनकर तुम बिना किसी दायित्व के जीवन गुजार लोगे। तुम समझते हो, तुम्हारा काम तो चल जाएगा, बाकी लोग चाहे जो करें।

स्वामी जी बोले, यह साधना नहीं है। आजकल बहुत से लोग ऐसा ही कर रहे हैं। यह अपनी शक्ति का दुरुपयोग है। यह समझ लो कि अपनी मां को छोड़कर तुम्हें मुक्ति कभी नहीं मिलेगी। तुम्हारी सच्ची मुक्ति इसी में है कि तुम अपनी बूढ़ी और असहाय मां की सेवा करो। वह ईश्वर का ही रूप है। यह सुनकर उस युवक ने साधु बनने की योजना छोड़ दी। उसे इस बात का अहसास हो गया कि सांसारिक जिम्मेदारियों से परे हटकर आध्यात्मिक मार्ग पर सफलता नहीं प्राप्त की जा सकती, और वह घर लौट कर अपनी मां की सेवा में जुट गया।

पूंजी के कब्जे में लोकतंत्र

राजनीति-शास्त्री और समाजशास्त्री अमेरिकी लोकतंत्र में पैदा हुए संकट की वजह यही बताते रहे हैं। उनका कहना है कि देश के लोकतंत्र पर वॉल स्ट्रीट यानी अमेरिकी शेयर बाजार यानी वहां के कॉरपोरेट सेक्टर का शिकंजा इतना कस चुका है कि लोकतंत्र की मूल भावना दमित हो गई है। इसके विरोध में लोग उग्र दक्षिणपंथ या वामपंथ की धुरियों पर जा रहे हैं। हालांकि ये बात नई नहीं है, लेकिन इस समस्या का समाधान निकालने की कोशिश होती नहीं दिखती। इस कारण लोगों में हताशा का फैलना लाजिमी है। अब सामने आए ताजा आंकड़ों का निष्कर्ष है कि 2020 के चुनाव में पूंजी का बड़ा हस्तक्षेप कायम रहा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक बीमा कंपनियां, वित्तीय सेवा कंपनियां और रियल एस्टेट सेक्टर ने पिछले चुनाव में खूब चंदा दिया।

सेंटर फॉर रेस्पॉन्सिव पॉलिटिक्स नाम की गैर सरकारी संस्था के आंकड़ों के आधार रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि किस पार्टी और किस नेता को किस कंपनी से कितना चंदा मिला। इसके मुताबिक वॉल स्ट्रीट ने उन 147 रिपब्लिकन नेताओं को भी चंदा दिया था, जिन्होंने सीनेट या हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव का चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्वाचन को वैध मानने से इनकार कर दिया। कुल अनुमान यह है कि 2020 के संघीय चुनाव पर कम से कम 14.4 अरब डॉलर का साझा खर्च आया। इसमें 1.05 अरब का काला धन भी है, जिसका स्रोत अज्ञात है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2020 का संघीय चुनाव पूरे अमेरिकी इतिहास का सबसे महंगा चुनाव रहा। इस दौरान ऐसे कथित स्वतंत्र संगठनों को दिए गए चंदे में दो गुना बढ़ोतरी हुई, जिन्होंने उस रकम का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया। यानी यह परोक्ष रूप से दिया गया चुनावी चंदा था। तो जानकारों का ये कहना उचित ही है कि वॉल स्ट्रीट के पास जैसा असीमित धन है, चुनाव प्रचार के लिए चंदे से संबंधित सिस्टम लगभग अप्रभावी है, और चुनावी चंदा देने पर कोई व्यावहारिक सीमा नहीं है। तो वित्तीय सेवा कंपनियां अमेरिकी राजनीति में नीतिगत बहसों को अपने मुताबिक ढालने हाथ खोल कर खर्च करती हैं। जब ये ऐसा करती हैं, तो बाद में नीतियां भी उनके मनमाफिक बनती हैं।

महासंकट के बीच सेवा भावना के चिराग रोशन हैं

संकट की इस घड़ी में जहां गुरुद्वारे, मंदिर तथा समाजसेवी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आ कर उन्हें भोजन तथा अन्य जरूरी चीजें पहुंचा रहे हैं, वहीं जान की परवाह न करते हुए पुलिस कर्मी व निजी स्तर पर भी कुछ लोग संकट की इस घड़ी में पीड़ित लोगों की यथासंभव सहायता कर रहे हैं जिनके चंद ताजा उदाहरण निम्न हैं, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कोरोना पीड़ितों को तीन समय का लंगर भेजने तथा बाला साहिब अस्पताल के एक हिस्से सहित गुरुद्वारों की सराय, लंगर हाल और बड़े हाल आदि कोविड केयर सैंटर व एकांतवास केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने को दिए हैं।

गुजरात में अहमदाबाद स्थित स्वामी नारायण मंदिर के प्रबंधकों ने अपने दरवाजे कोरोना पीड़ितों के लिए खोल कर मंदिर को अस्पताल में तबदील कर दिया है। मंदिर के कर्मचारी स्वयं कोरोना पीड़ितों की देखभाल कर रहे हैं। गुजरात के वडोदरा में भी कोरोना संक्रमितों के लिए बैडों की कमी को देखते हुए जहांगीरपुरा मस्जिद के प्रबंधकों ने मस्जिद को एक कोविड सैंटर में बदलते हुए कहा है कि इससे बेहतर इबादत कोई और नहीं। मस्जिद के प्रबंधक इरफान शेख ने मस्जिद में ऑक्सीजन की व्यवस्था सहित 50 बैड लगवाए हैं। इसके अलावा दारूल उलूम में भी कोरोना पीड़ितों के लिए 120 बैड की व्यवस्था की गई है।

नामधारी संगत से जुड़े हिमाचल प्रदेश में मंडी के हरदीप सिंह राजा लगातार 8 महीने नगर के विभिन्न चौराहों आदि पर लोगों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्यवर्धक काढ़ा पिलाते रहे हैं। देश में कोरोना उपचार के लिए जरूरी ऑक्सीजन सिलैंडरों की कमी के दृष्टिगत सूरत के उद्योगपति ह्यमहेन्द्र भाई रामोलियाह्न अपने साथियों सहित शहर के जरूरतमंदों को मुफ्त ऑक्सीजन सिलैंडर उपलब्ध करवा रहे हैं।

बिहार के बिहटा स्थित सेना के अस्पताल और कानपुर के वायुसेना अस्पताल में भी कोरोना पीड़ितों का इलाज किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के ए.एस.आई. अंबरीष त्यागी गत वर्ष जून में कोरोना की चपेट में आ गए थे, जिसके दौरान उन्हें कोरोना पीड़ितों के प्राणों को जोखिम का एहसास हुआ। लिहाजा स्वस्थ होने के बाद उन्होंने स्वयं को कोरोना पीड़ितों की सेवा में ही समर्पित कर दिया है तथा वह कोरोना महामारी के दौरान बेरोजगार हुए लोगों को भोजन उपलब्ध करवाने के अलावा संक्रमितों को इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाकर भर्ती करवा रहे हैं।

एक उदाहरण रायपुर के पांच युवक पी.पी.ई. किट पहन कर दिन-रात कोरोना पीड़ितों की सेवा करके पेश कर रहे हैं। ये तो कोरोना योद्धाओं की सेवा भावना के चंद उदाहरण हैं जो अपने दम पर इस संकट के शिकार लोगों की सहायता में अपना योगदान दे रहे हैं परंतु इस संकट का मुकाबला करने के लिए और लोगों को भी आगे आना होगा।हम सबको एकजुट हो कर पीड़ितों की सहायता करने के साथ-साथ इस महामारी से बचाव के नियमों का कठोरतापूर्वक पालन करना होगा। तभी इस संकट का सामना किया जा सकेगा।

विजय कुमार

संक्षेप में...

बायर्न म्यूनिख ने लेवरकुसेन को हराया, शाल्के बाहर

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख ने शुरूआती मिनटों में ही किए गए दो गोल की बदौलत बायर लेवरकुसेन को 2-0 से हराकर जर्मन लीग बुंदेसलीगा में अपनी लगातार नौवीं जीत दर्ज कर ली। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में बायर्न म्यूनिख के लिए दोनों गोल पहले 13 मिनट के अंदर आए। टीम के लिए पहला गोल एरिक मैक्सिम चोउपो मोटिंग ने सातवे और दूसरा गोल जोशुआ किमिच ने 13वें मिनट में किया। इस जीत के बाद टॉप पर कायम बायर्न म्यूनिख ने आरबी लिपजिग से 10 अंकों का फासला बढ़ा लिया है एक अन्य मुकाबले में शाल्के को अर्मिनिया के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। अर्मिनिया के लिए एकमात्र गोल फेबियन क्लॉस ने 50वें मिनट में किया। इस हार के बाद 2018 की उपविजेता शाल्के को रेलिगेट का सामना करना पड़ा है। टीम को पिछले 46 लीग मैचों में से केवल दो में ही जीत मिली है।

हॉकी प्रो लीग : भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच होने वाले मैच स्थगित

नई दिल्ली। भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच आठ और नौ मई को लंदन में होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबलों को स्थगित कर दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन सरकार ने भारत को यात्रा से संबंधित रेड लिस्ट में डाल दिया है जिसके बाद यह फैसला किया गया है। एफआईएच ने कहा, एफआईएच, हॉकी इंडिया और ग्रेट ब्रिटेन हॉकी स्थिति की नजर रख रहे हैं और उन्हें किसी अन्य तारीख पर इन मैचों के आयोजन की उम्मीद है। भारतीय टीम बाद में मई में स्पेन (15-16 मई) और जर्मनी (22-23 मई) के दौरे पर जाएगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हाल में एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को हराया था।

दक्षिण अफ्रीका के तीनों कप्तानों को सता रही सस्पेंड होने की चिंता

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीमों के तीनों कप्तानों ने संयुक्त बयान जारी करके क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) में चल रहे संकट को देखते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से संभावित निलंबन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। खिलाड़ियों ने कहा है कि यदि वर्तमान गतिरोध दूर नहीं किया जाता है तो हो सकता है कि दक्षिण अफ्रीका आईसीसी टी-20 विश्व कप में भाग नहीं ले पाए, जिसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर में भारत में किया जाना है। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जबकि हमें भविष्य को लेकर उत्साहित होना चाहिए था, हम (खेल के) भविष्य को लेकर चिंतित हैं।' कप्तानों ने बयान में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम को नवंबर में आईसीसी टी-20 विश्व कप में खेलना है। क्रिकेट प्रशासन की वर्तमान स्थिति इससे जुड़ी हमारी तैयारियों को प्रभावित कर रही है।' इसमें कहा गया कि, 'यदि आईसीसी दक्षिण अफ्रीका को निलंबित करने का फैसला करता है तो हमें इस टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ सकता है।'

पंजाब को पिछले 13 मैच में 10वीं बार हराया

आईपीएल के इस सीजन में हैदराबाद की 4 मैच में पहली जीत

■ चेन्नई

आईपीएल 2021 सीजन के 14वें मैच में सनराजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 9 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब टीम 19.4 ओवर में 120 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में हैदराबाद ने 18.4 ओवर में 1 विकेट पर 121 रन बनाकर मैच जीत लिया। जॉनी बेयरस्टो 56 बॉल पर 63 रन और केन विलियम्सन 19 बॉल पर 16 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

यह इस सीजन में हैदराबाद की पहली जीत है। इससे पहले 3 मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा था। यह **SRH** टीम की **PBKS** पर पिछले 13 मैच में 10वीं जीत है। इस जीत के साथ **SRH** पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गया। वहीं, **PBKS** 8वें नंबर पर लुढ़क गया है।

पंजाब टीम में 2 और हैदराबाद में 3 बदलाव किए गए

पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने टीम में 2 बदलाव किए। राइली मेरिडिथ और जे रिचर्ड्सन को टीम से बाहर किया गया। उनकी जगह वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फेबियन एलन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स को मौका मिला। वहीं, हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर ने 3 बदलाव किए। मुजीब उर रहमान, मनीष पांडे और अब्दुल समद को टीम से बाहर किया गया। इनकी जगह केन विलियम्सन, सिद्धार्थ कौल और केदार जाधव की वापसी हुई थी।

फेबियन को आईपीएल डेब्यू मैच में विकेट मिला

इससे पहले **SRH** के कप्तान डेविड वॉर्नर 37 बॉल पर 37 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने बेयरस्टो के साथ पहले विकेट के लिए 73 रन की पार्टनरशिप की। वॉर्नर को फेबियन एलन ने मयंक अग्रवाल के हाथों कैच कराया। यह फेबियन का आईपीएल में पहला विकेट भी है। विंडीज के इस ऑलराउंडर का यह आईपीएल डेब्यू मैच भी है।

हालांकि, इसके बाद बेयरस्टो ने आईपीएल में 7वीं फिफ्टी लगाई। यह इस सीजन में उनकी दूसरी फिफ्टी रही इससे पहले बेयरस्टो ने डक्फके खिलाफ सीजन के पहले मैच में 55 रन की पारी खेली थी। बेयरस्टो ने विलियम्सन के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 बॉल पर 48 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी।

खलील और अभिषेक ने पंजाब की आधी टीम समेटी

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने पंजाब को 3 झटके दिए। उन्होंने मयंक अग्रवाल, फेबियन एलन और शाहरुख खान को पवेलियन भेजा। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर अभिषेक शर्मा ने पंजाब को 2 झटके दिए। उन्होंने दीपक हूडा और मोइसेस हेनरिक्स को आउट किया।

पूरन सीजन में तीसरी बार शून्य पर आउट

विंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज पूरन लगातार चौथे मैच में फेल रहे। पूरन सीजन में 4 मैच में से तीसरी बार शून्य पर आउट हुए। इससे पहले वे राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी शून्य पर आउट हुए थे। वहीं, दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 9 रन बनाए थे।

मयंक को पहले ही ओवर में जीवनदान

हैदराबाद के लिए पहला ओवर स्पिनर अभिषेक शर्मा ने फेंका। ओवर की आखिरी बॉल पर मयंक ने ऊंचा शॉट लगाया। गेंद डीप मिड विकेट की ओर गई। वहां, राशिद खान ने उस बॉल को पकड़ा, लेकिन बॉल उनके हाथ से छिटक कर नीचे गिर गई। उस वक्त मयंक शून्य पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

चेन्नई सुपर किंग्स से हारी कोलकाता

मुंबई। पैट कमिंस (नाबाद 66) और आंद्रे रसल (54) की तूफानी पारियों के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स को बुधवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 15वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों 18 रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 220 रनों का विशाल स्कोर बनाया और फिर कोलकाता को 19.1 ओवरों में 202 रनों पर आलआउट कर दिया। कोलकाता को 2012 के बाद से इस मैदान पर अब तक एक भी जीत नहीं मिली है। चेन्नई की चार मैचों में यह तीसरी जीत है और उसके छह अंक हो गए हैं तथा वह तालिका में पहले नंबर पर पहुंच गई है। कोलकाता को चार मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी है। टीम दो अंक है और वह छठे नंबर पर है। चेन्नई से मिले 221 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की शुरूआत बेहद खराब रही और टीम ने 31 रन के अंदर ही अपने पांच विकेट गंवा दिए। इन पांच विकेटों में शुभमन गिल (0), नीतीश राणा (9), राहुल त्रिपाठी (8), कप्तान इयोन मोर्गन (7) और सुनील नारायण (4) के विकेट शामिल थे। हालांकि इसके बाद आंद्रे रसल (54) और आईपीएल में अपना 200वां मैच खेल रहे दिनेश कार्तिक (40) ने छठे विकेट के लिए 39 गेंदों पर 81 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी करके चेन्नई के कैम्प में बेचैनी पैदा कर दी। ऐसा लग रहा था कि रसल कोलकाता को जीत की दहलीज तक पहुंचा कर ही दम लेंगे, लेकिन तभी धोनी ने गेंद सैम करन को थमाई। और करन ने रसल को बोल्ड करके चेन्नई को वापस मैच में ला दिया। रसल ने 22 गेंदों पर तीन चौके और छह छक्के लगाए। उनके आउट होने के बाद कमिंस ने 16वें ओवर में करन के ओवर में 30 रन बटोरकर मैच को फिर से जीवित कर दिया। उन्होंने इस ओवर में चार छक्के और एक चौका लगाया। कोलकता को अंतिम चार ओवर में जीत के लिए 45 रन बनाने थे और कमिंस ने वरुण चक्रवर्ती (0) के साथ नौवें विकेट के लिए 16 गेंदों पर 24 रनों की साझेदारी करके मैच को और करीब लेकर गए।

62% फैन्स पंत और 38% सैमसन को बेहतर कप्तान मानते हैं; दोनों पहली बार इस सीजन में कप्तानी कर रहे

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में युवा भारतीय खिलाड़ियों का हमेशा बोलबाला रहा है। इस बार सभी की निगाहें दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत और राजस्थान राम्यल्स के कप्तान संजू सैमसन पर हैं। दोनों पहली बार आईपीएल में अपनी-अपनी टीम की कप्तानी कर रहे हैं। इसलिए दोनों में बेहतर कप्तान कौन है? इसमें सबसे ज्यादा 62.4% लोगों का मानना है- ऋषभ पंत को आईपीएल में बेहतर कप्तान मानते हैं। वहीं, 37.6% लोगों का मानना है कि पंत के मुकाबले सैमसन में अपनी टीम को लीड करने के गुण हैं।

ऋषभ पंत		संजू सैमसन
72	मैच	110
62	पारी	51
58	शिकार	38
47	कैच	32
11	स्टंप	6

सीजन में राजस्थान ने दिल्ली से एकमात्र मुकाबला जीता: सीजन में पंत की कप्तानी में दिल्ली ने अब तक 4 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 3 में जीत हासिल की है। एकमात्र मुकाबला जिसमें दिल्ली को हार मिली है, वो टीम है सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान। वहीं, राजस्थान ने सैमसन की कप्तानी में 3 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसने सिर्फ एक ही मैच जीता है और 2 में उसे हार का सामना करना पड़ा।

पंत और सैमसन दोनों का रिकॉर्ड शानदार: बल्लेबाज के तौर पर पंत और सैमसन आईपीएल में दोनों का रिकॉर्ड शानदार है। पंत ने जहां 72 मैचों में 2167 रन बनाए हैं। वहीं, सैमसन के नाम 110 मैच में 2708 रन हैं। पंत ने लीग में सिर्फ एक शतक लगाया है और सैमसन अब तक कुल 3 शतक लगा चुके हैं।

आर्चर-स्टोक्स के बाद लिविंगस्टोन सीजन से बाहर

नई दिल्ली। आईपीएल का 14वां सीजन को शुरू हुए अभी दो हफ्ते हुए हैं लेकिन राजस्थान रॉयल्स की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टीम के अब एक और स्टार खिलाड़ी ने आईपीएल 2021 छोड़ दिया है और स्वदेश लौट गया है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन एक भी मैच खेले बगैर बायो बबल की समस्या की वजह से अपने देश लौट गए हैं। उनसे पहले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और फिर बेन स्टोक्स चोट की वजह से इस सीजन से बाहर हो चुके हैं।

आईपीएल-14 : धवन ने फिर हासिल की ऑरेंज कैप

■ चेन्नई

आईपीएल के 14वें सीजन के 13वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हराने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने फिर से ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। धवन के टूनामेंट में चार मैचों में अब तक 231 रन हो चुके हैं। टूनामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को यह कैप दी जाती है। दिल्ली कैपिटल्स ने मैन ऑफ द मैच अमित मिश्रा (4/24) की शानदार गेंदबाजी के बाद शिखर धवन (45) की एक और बेहतरीन पारी के दम पर मंगलवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 13वें मुकाबले में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हरा दिया।

धवन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 49 गेंदों पर 92 रनों की पारी खेलने के बाद इस सीजन में पहली बार ऑरेंज कप हासिल किया था। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बल्लेबाज ग्लैन मैक्सवेल ने उनसे यह कैप वापस ले ली थी। लेकिन अब धवन ने मंगलवार को मुंबई के खिलाफ 45 रनों की पारी खेलने के बाद फिर से यह कैप अपने नाम कर ली है। मैक्सवेल तीन मैचों में 176 रनों के साथ तालिका में दूसरे नंबर पर है जबकि पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल तीन मैचों में 157 रनों के साथ तीसरे नंबर पर है।

दिल्ली की चार मैचों में यह तीसरी जीत है और अब उसके छह अंक हो गए हैं तथा वह तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई को चार मैचों में दूसरी हार मिली है और टीम चार अंकों के साथ चौथे नंबर पर है।

लंदन के स्टैमफोर्ड ब्रिज स्टेडियम में बुधवार को रेफरी स्टुअर्ट अटवेल, बाएं, ब्राइटन के बेन व्हाइट को एक पीला कार्ड दिखाया जिसमें लंदन के स्टैमफोर्ड ब्रिज स्टेडियम के बाहर चेल्सी के 5 प्रशंसकों ने विरोध किया।

ईपीएल के 6 क्लबों ने यूरोपियन सुपर लीग से हटने की पुष्टि की

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के छह क्लबों आर्सेनल, चेल्सी लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और टॉटेनहम हॉटस्पर क्लबों ने प्रस्तावित 20 टीमों की यूरोपियन सुपर लीग से हटने की पुष्टि की है, जिसके बाद यूरोपियन सुपर लीग ने घोषणा की कि यह इस परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाएगा। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, सुपर लीग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, हम परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए सबसे उपयुक्त कदमों पर पुनर्विचार करेंगे। ईपीएल क्लबों के बड़े पैमाने पर हटने के बावजूद, सुपर लीग एक नई यूरोपीय प्रतियोगिता का

प्रस्ताव करने के अपने उद्देश्य में अवहेलना करता रहा है और उसका मानना है कि मौजूदा प्रणाली काम नहीं करती है। बयान में कहा गया, हमारा उद्देश्य पूरे फुटबॉल पिरामिड के लिए संसाधनों और स्थिरता पैदा करते हुए खेल को विकसित करने की अनुमति देना है, जिसमें महामारी के परिणामस्वरूप पूरे फुटबॉल समुदाय द्वारा अनुभव की गई वित्तीय कठिनाइयों को दूर करने में मदद करना शामिल है।

एएफसी चैंपियंस लीग में एफसी गोवा को मिली पहली हार

फातोर्दा (गोवा)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब एफसी गोवा को एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण के मुकाबले में पहली हार का सामना करना पड़ा है। गोवा को मंगलवार रात यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए तीसरे मुकाबले में पिछले चरण की उपविजेता ईरान के फुटबाल क्लब पसेर्पोलिस एफसी के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पसेर्पोलिस एफसी की टूनामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है। गोवा के लिए कप्तान इदु बेदिया ने 14वें मिनट में गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया था। लेकिन मेहदी टोराबी ने 18वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके पसेर्पोलिस एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। इसके बाद जलाल हुसैनी ने 24वें मिनट में गोल करके पसेर्पोलिस एफसी को 2-1 की बढ़त दिला दी। ईरान के क्लब ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज कर ली जबकि गोवा को पहली हार थमा दी। एफसी गोवा ने इससे पहले बुधवार को भी ग्रुप ई के पहले मैच में कतर के अल रेयान क्लब के खिलाफ भी गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे थे।

क्रिकेट — बीसीसीआई के मुताबिक टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 13 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रस्तावित

बीसीसीआई ने 9 स्टेडियम प्रस्तावित किए

■ नई दिल्ली

भारत में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नौ स्टेडियम प्रस्तावित किए हैं। अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई के स्टेडियम बोर्ड की ओर से आईसीसी को प्रस्तावित किए गए हैं। इस पर अंतिम फैसला आईसीसी को ही लेना है। आईसीसी ने बैकअप प्लान के तहत दो और एशियाई देशों को तैयार रहने को कहा है।

वर्चुअल मीटिंग में हुआ था फैसला

बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह वर्चुअल मीटिंग में वर्ल्ड टी-20 से जुड़े कई अहम फैसले लिए थे। इसमें टूर्नामेंट के लिए 9 स्टेडियमों के चुनाव के साथ-साथ पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिए जाने के सरकार के फैसले की जानकारी भी दी गई। बीसीसीआई के प्रस्तावों पर आखिरी फैसला आईसीसी को ही लेना है। माना जा रहा है कि आईसीसी उस समय भारत में कोरोना के हालात को देखते हुए कोई फैसला कर सकती है।

13 नवंबर को अहमदाबाद में होना है फाइनल

बीसीसीआई के मुताबिक टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 13 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रस्तावित है। यह देश का सबसे बड़ा स्टेडियम है और भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान इसका नाम सरदार पटेल स्टेडियम से बदलकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम किया गया था। तब से यहां महत्वपूर्ण क्रिकेट मैचों का आयोजन बढ़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के अलावा 5 टी-20 मुकाबले भी यहां खेले गए। अब आईपीएल 2021 के तहत इस ग्राउंड पर प्ले ऑफ सहित 12 मुकाबले खेले जाने हैं।

26 अप्रैल को भारत दौरे पर आएगी आईसीसी की टीम

माना जा रहा है कि आईसीसी की एक टीम हालात का जायजा लेने 26 अप्रैल को भारत दौरे पर आएगी। बीसीसीआई और आईसीसी ने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए कई प्लान पर चर्चा की है। अगर ज्यादा सेंटर पर आयोजन मुश्किल होगा तो सेंटर्स की संख्या घटाई भी जा सकती है। आईसीसी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप प्लान के अनुसार होगा, लेकिन अगर ज्यादा परेशानी हुई तो श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात को बैकअप प्लान के तौर पर भी तैयार रखा जाएगा। उम्मीद है कि वह सफलतापूर्वक वर्ल्ड कप का आयोजन कर लेगा। भारत में 1 मई से 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोग टीका लगवा सकेंगे। इस लिहाज से वर्ल्ड कप आते-आते अधिकांश वयस्क लोगों का टीकाकरण हो जाने की उम्मीद है।

दैनिक शुभ भास्कर

एक साथ कई प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली पहली फिल्म बनी 'राधे...'

आज आएगा फिल्म का ट्रेलर

देशभर में कोरोना के विकट हालातों के बावजूद सलमान खान ने बड़ा फैसला लिया है। ज्यादातर राज्यों में सिनेमाघर आंशिक तौर पर खुले हैं। इसके बावजूद सलमान खान ने बुधवार को ऐलान किया है कि मौजूदा हालातों में भी वो 'राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई' की रिलीज से पीछे नहीं हटेंगे। ईद पर फिल्म की ईदी देने की प्रथा का निर्वहन किया जाएगा। फिल्म 13 मई को ईद पर सिनेमाघरों में तो रिलीज होगी ही, साथ ही साथ सेम तारीख पर ही फिल्म 'पे-पर-व्यू' प्रणाली के तहत जीप्लेक्स पर भी आएगी। वहीं इस फिल्म का ट्रेलर गुरुवार (22 अप्रैल) को रिलीज किया जाएगा। जी स्टूडियोज के सीबीओ शारिक पटेल ने कहा, कोरोना महामारी ने हम सभी को इनोवेटिव बनने का मौका दिया है। हम इसे जीप्लेक्स पर रिलीज कर रहे हैं। हम साथ ही 40 ओवरसीज मार्केट में जहां-जहां सिनेमाघर खुले हैं, वहां भी इसे रिलीज कर रहे हैं। अगर हम इसे थिएटरों में रिलीज नहीं करते तो यह सलमान के फैंस के साथ धोखा होता। हम साथ ही सबकी सुरक्षा का भी ख्याल रखना चाहते हैं। ऐसे में इसे हम जीप्लेक्स पर भी रिलीज कर रहे हैं। ताकि लोग घरों पर भी इसका आनंद उठा सकें।

फिल्म को 40 ओवरसीज देशों के सिनेमाघरों में रिलीज तो किया ही जाएगा, वो मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, यूरोप टेरेटरी से हैं। इंग्लैंड में पिछले साल से लेकर अब तक के लॉकडाउन के बाद यह पहली फिल्म होगी, जिसे वहां के सिनेमाघरों में देखा जा सकेगा।

अपकमिंग सीरीज में अपने रोमांटिक अंदाज से हैरान कर देंगे विक्रम सिंह

विभिन्न तरह की भूमिकाओं द्वारा लाखों दिलों को जीतने के बाद, लोकप्रिय एक्टर विक्रम सिंह चौहान जल्द ही डिज्नी+ हॉटस्टार पर अपनी आगामी रोमांटिक सीरीज में संदीपा धर के विपरीत दिखाई देंगे। अल्फा पुरुष की मान्यताओं को तोड़ते हुए वो एक भोले-भाले एवं संवेदनशील पुरुष के रूप में दिखाई देंगे। विक्रम का किरदार चैटिस जहरीले पुरुषवाद की परंपराओं के विपरीत है, जो पितृप्रधानता की विचारधारा को तोड़ने का प्रयास करता है। वह एक डांसर को प्यार करने लगता है, जो कमिटमेंट से दूर रहती है और अपना खुद का खेल खेल रही है, इससे या तो उसका दिल टूट जाएगा या फिर वो और ज्यादा पाने के लिए उतावला रहेगा। डिज्नी+ हॉटस्टार पर अपने आगामी शो के बारे में विक्रम सिंह चौहान ने कहा, मुझे चैटिस का किरदार निभाने में बहुत मजा आया। इस शो की स्टोरीलाईन बहुत दिलचस्प है और यह दो लव बर्ड्स पे आधारित है - एक पुरुष प्यार में विश्वास रखता है जबकि महिला कमिटमेंट करने से डरती है। मैं वास्तविक जीवन में भी बहुत पुरानी सोच का हूँ और अपनी पार्टनर के साथ बहुत रोमांटिक रहता हूँ, ठीक वैसे ही जैसे मैं स्क्रीन पर हूं। मैं शुरू से ही यह किरदार निभाने में लिए बहुत उत्सुक था, जो पूरे शो में अनेक रोमांचक एडवेंचर्स से गुजरता है। अब मैं इंतजार कर रहा हूं कि हर कोई देखे कि मैना और चैटिस का रोमांस उन्हें कहां ले जाता है।

पाकिस्तानी रैपर ने आलिया भट्ट पर बना डाला रैप सॉन्ग

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फिल्मों में एक्टिंग के दम पर ऐसी पहचान बनाई है कि उनके चाहने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं है। इसी बीच उनका एक ऐसा फैन देखने को मिला, जिसने एक्ट्रेस से इम्प्रेस होकर उन पर गाना ही बना डाला। उनका ये फैन कोई और नहीं, बल्कि पाकिस्तानी रैपर है। उनके द्वारा एक्ट्रेस पर बनाया गया ये गाना सोशल मीडिया पर आते ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई। वहीं आलिया भी खुद पर बने इस रैप सॉन्ग को देख कॉमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाईं। पाकिस्तानी रैपर मुहम्मद शाह ने अपने इंस्टाग्राम पर इस रैप सॉन्ग का वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके दोस्त आलिया भट्ट पर एक गाना बनाने के लिए कहते हैं। इसके बाद मुहम्मद शाह शुरू हो जाते हैं और रैप करते हुए आलिया के लिए अपनी फीलिंग्स शेयर करते हैं। इस वीडियो में आलिया की फिल्मों के कई लुक्स नजर आ रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए रैपर ने कैप्शन में लिखा-, 'व्हाट इफ के पहले एपिसोड में #आनली लव टू शेयर। आलिया इस पोस्ट को देख खुद को कॉमेंट करने से रोक नहीं पाईं। उन्होंने लिखा 'बहुत हार्ड' और इसके साथ ही उन्होंने फायर वाले इमोजी बनाए। वहीं आलिया भट्ट के काम की बात करें उनकी अपकमिंग फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' है, जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड और एक्टर रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इसके अलावा उनके पास 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'आरआरआर' जैसी फिल्में भी हैं।

फिल्मों और विज्ञापनों से ज्यादा टीवी को वरियता दूंगीः नारायणी शास्त्री

टीवी शो 'आपकी नजरों ने समझा' में काम कर रहीं अभिनेत्री नारायणी शास्त्री का कहना हैं कि उन्हें टेलीविजन इंडस्ट्री का हिस्सा बनना पसंद है।

नारायणी ने कहा कि छोटे पर्दे ने जो उन्हें दिया वह उससे खुश है और वह विज्ञापन और थिएटर और फिल्मों से ऊपर टीवी को ही चुनना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा, मैं कड़ी मेहनत में विश्वास करती हूं। मैंने जिस तरह का काम किया है वैसी ही जगह टीवी की दुनिया में बनाई। मैं अपनी इंडस्ट्री से प्यार करती हूं और फिल्मों, विज्ञापनों या थिएटर से अलग में सिर्फ टीवी को ही चुनूंगी। वह कहती हैं कि टेलीविजन इंडस्ट्री के लोग जानते हैं कि मुझे किस तरह का काम करना पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे टीवी में काम करते हुए 20 साल हो गए हैं, इससे लोगों को अंदाजा हो गया है कि मैं किस तरह का काम करना चाहती हूं। इस बीच अभिनेत्री ने कहा कि जब वह अच्छा काम करने के लिए तैयार होती हैं, तो उनके मन में सही काम चुनने की हिचक नहीं होती है। वह कहती हैं, दो अच्छे प्रोजेक्ट के बीच इंतजार करना आसान नहीं है। एक कलाकार के रूप में आपको लगता है कि आप कुछ करना चाहते हैं लेकिन आपका अंतर्मन कहता है कि नहीं इससे न आप खुश होंगे न ही दर्शक। इससे पहले अभिनेत्री को 'क्यूंकी सास भी कभी बहू थी', 'पिया का घर' और 'नमक हराम' जैसे शो में देखा गया था।

किम कार्दशियन का डीपनेक ऑफ व्हाइट ड्रेस में दिखा बोल्ड अवतार

फूलों के बीच खड़े होकर एक्ट्रेस ने दिए पोज

हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन अपने लुक्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती ही रहती है। हाल में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब धमाल मचा रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस डीपनेक ऑफ व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही है। न्यूड मेकअप और ओपन हेयर्स से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। एक्ट्रेस फूलों के बीच खड़े होकर पोज दे रही है। इस लुक में एक्ट्रेस काफी बोल्ड लग रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ गई हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब प्यार दे रहे हैं। काम की बात करें तो किम बहुत जल्द फिल्म पॉ पेट्रोल द मूवी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को लेकर एक्ट्रेस काफी चर्चा में बनी हुई हैं।

जया प्रदा ने 'इंडियन आइडल 12' के सेट पर किया धमाल

सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 में बीते हफ्तों में हेमा मालिनी और रेखा को देख चुके हैं। अब इस वीकेंड 80 के दशक में सिनेमा पर राज करने वालीं अभिनेत्री जया प्रदा आएंगी। जया प्रदा जज की कुर्सी पर बैठकर कंटेस्टेंट के गाने सुनेंगी। कंटेस्टेंट उन्हें समर्पित करते हुए उनकी फिल्मों के हिट गाने गाएंगे। सोनी टीवी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें सबसे पहले कंटेस्टेंट दानिश गाना दे दे प्यार दे गाते हैं। जया प्रदा गाने की तारीफ करती नहीं थकती। इसके बाद वह स्टेज पर जाती हैं और अपने मशहूर गाने ढ्ढपली वाले पली बजा पर डांस भी करती हैं। वहीं संगीतकार विशाल ददलानी इस दौरान ढपली बजाते हैं। इसके अलावा जया प्रदा मुझे नौलखा दिला दे रे, तोहफा सहित अन्य गानों पर डांस करती नजर आती हैं। जया प्रदा मस्ती करने से भी नहीं चूकतीं और वह एक कंटेस्टेंट के माथे पर चम्पी करती दिखती हैं। जया प्रदा के साथ जज की कुर्सी पर विशाल ददलानी और हिमेश रेशमियां होंगे। आने वाले एपिसोड्स में नेहा कक्कड़ नजर नहीं आएंगी। उन्होंने शूटिंग नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक नेहा कक्कड़ ने दूसरे शोज को कमिटमेंट दे रखी थी। 13 अप्रैल को वीकेंड का एपिसोड शूट हुआ था। तब नेहा सेट पर नहीं आई थीं।

'ढपली वाले' गाने पर कंटेस्टेंट संग झूमीं

संक्षेप में...

विकास दुबे एनकाउंटर में यूपी पुलिस को क्लीन चिट

लखनऊ। कुख्यात अपराधी विकास दुबे के एनकाउंटर मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस को बड़ी राहत मिली है। उत्तर प्रदेश पुलिस सबूतों के अभाव में सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई है। इस मामले की जांच करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित की गई रिटायर्ड जस्टिस बीएस चौहान समिति ने उत्तर प्रदेश पुलिस को क्लीन चिट दे दी है। समिति को यूपी पुलिस के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। विकास दुबे के एनकाउंटर के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित रिटायर्ड जस्टिस बीएस चौहान समिति ने कई पुलिसकर्मियों से पूछताछ की थी। लेकिन समिति ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक भी पुख्ता सबूत नहीं मिले। इसलिए सबूतों के अभाव में विकास दुबे के एनकाउंटर में उत्तर पुलिस को क्लीन चिट दे दी गई है। रिटायर्ड जस्टिस बीएस चौहान ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उन्हें यूपी पुलिस के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। बता दें कि विकास दुबे एनकाउंटर वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यों की एक समिति गठित की थी। इस समिति में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्तावित नामों को मंजूरी दी गई थी। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस बीएस चौहान, डीजीपी केएल गुप्ता और हाईकोर्ट के पूर्व जज शशिकांत अग्रवाल की समिति का गठन किया था।

प्रधान प्रत्याशी की बांटी शराब पीने से 2 की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के गांव छपरावत में ग्राम प्रधान प्रत्याशी की बांटी हुई शराब पीने से बुधवार को गांव के दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। शराब के सेवन से नीटू तोमर उम्र 37 वर्ष पुत्र धर्म सिंह और अमजद 35 वर्ष की मौत हो गई। जबकि 2 लोग बीमार होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। डीएम रविंद्र कुमार, एसएसपी और सीएमओ सहित अन्य अधिकारी गांव में पहुंचे। एसपी सिटी सुरेंद्र नाथ तिवारी ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। डीएम ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। शराब ठेके से ली गई बताई गई है।बताया जा रहा है कि प्रधान पद के प्रत्याशी ने उक्त शराब को बांटा है। पुलिस उसे तलाश कर रही है। पूरे मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

माचिस की तीलियों से खेलते वक्त लगी आग, नवजात की मौत

संभल। उत्तरप्रदेश के संभल से लापरवाही की वजह से एक नवजात की मौत का मामला सामने आया है। यहां गुन्नौर शहर के गंगवास गांव में आग लगने से एक नौ महीने के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की दो बहनें जिनकी उम्र चार और दो साल है, वे माचिस की तीलियों से खेल रही थीं, जिससे पास में रखे कुछ सामान में आग लग गई और कुछ देर में आग की चपेट में पूरी झोपड़ी आ गई। घबराई में बहनें अपने नौ महीने के भाई को छोड़कर भाग गई। घटना सोमवार रात को हुई। कल्याण सिंह, उनकी पत्नी और पिता तीनों बच्चों - रेणु, नन्ही और राघव के साथ खेत पर गए थे। कल्याण ने कहा, मैंने अपने बच्चों को खेत में एक झोपड़ी में छोड़ दिया और अपनी पत्नी और पिता के साथ फसल काटने चला गया। जब आग लगी, कल्याण सिंह और अन्य लोग आग की लपटों को बुझाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

40 हजार में रेमडेसिवीर इंजेक्शन बेच रहा फैक्ट्री मैनेजर गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में क्राइम ब्रांच और सेक्टर 20 पुलिस ने 105 रेमडेसिवीर इंजेक्शन बरामद किए। पुलिस ने रचित घई नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया जो इन इंजेक्शन को अवैध तरीके से बेच रहा था। आरोपी एक एक इंजेक्शन को 20 हजार से 40 हजार में बेच रहा था। गिरफ्तार होने से पहले आरोपी कई इंजेक्शन बेच चुका है। आरोपी ने दिल्ली और मुख्य रूप से पंजाब से अवैध तरीके से हासिल किए थे ये इंजेक्शन। आरोपी का नाम रचित घई है और इसलि गत्ते की फैक्ट्री है। आरोपी रचित घई की उम्र करीब 32 साल है और ये नोयडा के सेक्टर 168 में रहता है और मुख्य रूप से दिल्ली के सरस्वती विहार का रहने वाला है और कई दिनों से अवैध तरीके से रेमिडीसीवीर इंजेक्शन बेच रहा था। बरामद इंजेक्शन में कुछ बांग्लादेश के भी थे जिनकी कीमत काफी ज्यादा है। क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर शावेज खान और सेक्टर 20 थाना पुलिस लगातार इस शख्स को टारगेट कर रहे थे।

सीएम योगी हुए सख्त, कहा—अस्पताल रोज बताएंगे कितने बेड हैं खाली

दवाओं की कालाबाजारी की तो लगेगी रासुका

■ लखनऊ

कोरोना के बढ़ते मामलों और बदइंतजामी के आरोपों के बीच योगी सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। सीएम योगी ने बुधवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम -11 के अधिकारियों को कई निर्देश दिए। इनमें रेमडेसिविर जैसी दवाओं की कालाबाजारी पर एनएसए और गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने के साथ ही अस्?पतालों के लिए रोज अपने बेडों की जानकारी सार्वजनिक करने जैसे कई आदेश उन्होंने दिए।

सीएम ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन और फैबीफ्लू जैसी जीवनरक्षक मानी जा रही दवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए आवश्यक है कि इसकी लगातार निगरानी की जाए। ऐसी दवाओं और इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाए। रेमडेसीवीर उत्पादनकर्ता कंपनियों से लगातार संपर्क में रहें। कल तक प्रदेश को 10,000 वॉयल और प्राप्त हो जाएंगी। सीएम ने प्रतिदिन 50,000 वॉयल रेमडेसीवीर की आपूर्ति के हिसाब से डिमांड भेजने का निर्देश दिया।

सीएम ने कहा कि अस्पतालों में खाली बेड्स के बारे में हर दिन जानकारी सार्वजनिक की जाए। इससे मरीजों के परिजनों को काफी सहूलियत होगी। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की भूमिका इस कार्य मे अत्यंत उपयोगी है। इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि बीते 24 घंटे में प्रदेश में 14 हजार से भी अधिक मरीज कोविड संक्रमण से ठीक होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं।

व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए नहीं मिलेगी ऑक्सीजन

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। मांग के अनुरूप ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत सरकार से आवंटित ऑक्सीजन को यथाशीघ्र प्रदेश में उपलब्ध कराया जाए। ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति में संतुलन बना रहे इस हेतु सभी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन का ऑडिट कराया जाना चाहिए। ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की जाए।

'टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट' का दिया मंत्र

सीएम ने कहा कि कोविड से लड़ाई में जीत के लिए, 'टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट' का मंत्र सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं है। सभी निजी एवं सरकारी कोविड टेस्टिंग प्रयोगशालाएं अपनी पूरी क्षमता के साथ टेस्टिंग कार्य करें। किसी भी प्रयोगशाला को टेस्ट करने पर कोई रोक नहीं है। जांच के लिए शुल्क की दर पूर्व में ही तय की जा चुकी है। आरआरटी की संख्या बढ़ाई जाए। क्वालिटी कंट्रोल को प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जाए। टेस्टिंग की वर्तमान क्षमता को दोगुनी किये जाने के ठोस प्रयास हों। कोविड-19 के प्रसार को देखते हुए सभी जनपदों में कोविड बेड की संख्या दो गुनी करने के लिए पूरी तत्परता से कार्यवाही की जाए।

अस्पतालों में भर्ती होने के लिए भटक रहे मरीज

कोरोना वायरस से संक्रमित राज्यों की लिस्ट में उत्तर प्रदेश अब दिल्ली से आगे निकलते हुए छठे नंबर पर पहुंच गया है। राजधानी लखनऊ में हालात काफी खराब हैं। यहां 52 हजार ऐसे मरीज हैं जिनका इलाज चल रहा है। ऐसे में एक-एक बेड के लिए मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अगर किसी तरह किसी अस्पताल में बेड मिल भी रहा है तो ऑक्सीजन के इंतजाम खुद ही करने पड़ रहे हैं। लखनऊ के तालकटोरा इलाके में ऑक्सीजन रीफिलिंग सेंटर पर एक किलोमीटर की लंबी लाइन लगी हुई है। महामारी के दौर में ऑक्सीजन सिलेंडर की अहमियत क्या है, इसका अंदाजा यहां लगी भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है। कोई सिलेंडर को गोद में लेकर पहुंच रहा है तो कोई वाहनों पर लादकर। कोई रीफिलिंग के लिए 15 से 20 किमी तक की दौड़ लगा रहा है, लेकिन फिर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। लखनऊ के सभी ऑक्सीजन गोदाम के बाहर यही हाल है। जिला प्रशासन की तरफ से बीते 3 दिनों के अंदर 121 कोविड-19 अस्पतालों की लिस्ट जारी की गई है। जिनमें से करीब 15 अस्पतालों में ही कोरोना के बेहतर इलाज की व्यवस्था है। लेकिन दूसरे अस्पतालों की हालत खराब है। इनमें ऑक्सीजन की भी कमी है।

कोरोना काल में 'ऑक्सीजन मैन' बनें गौरव राय

900 से ज्यादा मरीजों को पहुंचा चुके हैं सिलेंडर

■ पटना

कोरोना काल में जब बड़े अस्पतालों में बेडों और ऑक्सीजन के लिए मारामारी हो रही है, तो वहीं पटना के रहने वाले गौरव राय लोगों के मसीहा बनकर सामने आए हैं। गौरव अपनी क्षमता के मुताबिक जहां तक हो सके लोगों को मुफ्त में ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचा रहे हैं। गौरव के पास प्रतिदिन दो हजार से ज्यादा कॉल आते हैं। गौरव कहते हैं कि वे सभी को तो ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं मुहैया करा पाते हैं लेकिन क्षमता के मुताबिक उनकी कोशिश सभी जरूरतमंदों तक सिलेंडर पहुंचाने की होती है।

गौरव की मानें तो पिछले साल जुलाई में वे खुद कोविड से संक्रमित हुए थे और उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कोविड वार्ड में ले जाया गया था। उन्हें वहां कोई सुविधा नहीं मिली। उस दौरान गौरव का ऑक्सीजन लेवल में लगातार गिरावट आ रही थी और कोई ऑक्सीजन देने वाला नहीं था। उनकी पत्नी द्वारा चार-पांच घंटे के परिश्रम के बाद एक ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था हुई थी। गौरव इसके बाद कोरोना को मात देकर जब घर पहुंचे तब उन्होंने कोविड मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया कराने की ठानी और तब से अब तक इस काम को वे बखूबी अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने को बताया, प्रारंभ में उन्होंने अपने घर में ऑक्सीजन सिलेंडर बैंक बनाया और आसपास के लोगों और मित्रों को जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया कराने लगे। जब उन्होंने सिलेंडर मुहैया कराने की शुरूआत की तो उनके पास मात्र 10 सिलेंडर थे, लेकिन कड़ी मेहनत के बाद आज उनके 200 से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर है, जो कई मित्रों द्वारा डोनेट किए गए हैं।

मंदिर में सो रहे 2 साधुओं की गला काटकर हत्या

लाशों को भूसे से ढक दिया, आरोपी फरार

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले के खिरहर धरोहर नाथ महादेव मंदिर परिसर में दो साधुओं की निर्मम हत्याकर दी गयी। घटना मंगलवार मध्य रात्रि की है। मृत साधुओं की पहचान बासोपट्टी थाना क्षेत्र के सिरियापुर निवासी 60 वर्षीय हीरा दास व भगवानपुर निवासी 50 वर्षीय आनन्द मिश्र के रूप में की गई है। घटना के बाद दोनों शव को मंदिर परिसर स्थित एक घर में रखकर भूसे से ढक दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करीब 12 बजे अज्ञात अपराधियों ने मंदिर में सो रहे दोनों साधु की कुदाल से काटकर हत्याकर दी। इसके बाद लाश को छुपाने के लिए घसीटकर बगल के भूसा घर में कपड़े से लपेट कर दोनों के शरीर व एक सिर को भूसा में छुपा दिया और एक सिर को बगल के चारदीवारी के समीप गड्ढे में रखकर ढक दिया। बगल कमरे में चुपचाप देख रहे प्रत्यक्षदर्शी नारायण दास ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खिरहर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद शव को ढूंढा गया और पोस्टमार्टम के लिए मधानी भेज दिया है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। घटनास्थल पर इंसपेक्टर राजेश कुमार, खिरहर थानाध्यक्ष अंजेश कुमार, साहरघाट थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, अरेर थानाध्यक्ष राजकिशोर कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मामले की जांच कर रहे थे।

बिहार के एनएमसीएच में 13 मरीजों की मौत, पूर्व सांसद शहाबुद्दीन पॉजिटिव

पटना। प्रदेश के 38 जिलों में कोरोना तेजी से बढ़ रहा है। अस्पतालों में अब भी बेड के लिए मरीजों को भटकना पड़ रहा है। ऑक्सीजन की किल्लत में कोई कमी नहीं हुई है। एनएमसीएच में पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 13 मरीजों की मौत हो गई। इनमें एक मरीज महिला थी, बाकी सब पुरुष थे। उधर, सीवान के पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें तिहाड़ जेल से दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल किया गया है। पीयू के रिटायर्ड प्रोफेसर शैलेश्वर सती प्रसाद की कोरोना से मौत हो गई है। बिहार स्टेट बार काउंसिल के सदस्य शशि शेखर किशोर और हाईकोर्ट में डिप्टी रजिस्ट्रार मो. नसीमुल होदा का भी निधन हो गया है।

राम नवमी पर अयोध्या में रामलला को पहनाया गया सोने का मुकुट

अयोध्या। अयोध्या नगरी में 500 वर्षों के बाद पहली बार राम जन्मभूमि में विराजमान भगवान श्री रामलला जन्मोत्सव पर सोने का मुकुट को धारण किया है। यह मुकुट विशेष रूप से भगवान श्रीराम विवाह के जन्मोत्सव के लिए भक्तों की ओर से समर्पित किया गया था। बुधवार को रामनवमी पर भगवान श्रीराम का जन्म कर्क लग्न में दोपहर 12 बजे हुआ था, तभी से भगवान राम का जन्मोत्सव चैत्र की नवमी तिथि को दोपहर 12 बजे मनाया जाता है। जन्मोत्सव के दौरान चारों भाइयों सहित सोने का मुकुट धारण कराया गया। 1992 से लेकर अब तक रामलला चांदी के मुकुट में सोने की पॉलिश का मुकुट धारण करते रहे हैं, लेकिन अब रामलला के साथ चारों भाइयों को शुद्ध सोने का मुकुट धारण कराया गया है।

यह मुकुट राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को किसी भक्त ने गोपनीय दान था। वहीं, श्री रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सतेंद्र दास का कहना है कि ट्रस्ट को किसी भक्त ने रामलला को पहनने के लिए सोने का मुकुट अर्पित किया है। भगवान राम को चारों भाइयों सहित यह सोने का मुकुट राम जन्मोत्सव के दिन नए वस्त्र पहना कर धारण करा दिया गया है।

हाथों में सिलेंडर लिए खुद ही मरीज को लिए भटक रहे परिजन

अस्पताल पर ऑक्सीजन नहीं देने का लगाया आरोप

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में आक्सीजन से भरा भारी भरकम सिलेंडर हाथों में हैं। मरीज स्ट्रेचर पर लेटा है। मरीज के तीमारदार स्ट्रेचर को घसीटकर मेडिकल कॉलेज के बाहर ले जा रहे हैं। दिल को झकझोर देने वाली तस्वीर शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज से सामने आई है। तीमारदार ने कॉलेज प्रशासन पर आक्सीजन न देने का आरोप लगाया है। सीएमओ आक्सीजन पर्याप्त मात्रा में होने की बात कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, हरदोई जिले के शाहबाद निवासी श्यामसुंदर की तबीयत खराब होने पर उनके भाई संजीव बांगा ने शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज बेहतर इलाज पाने के लिए भर्ती कराया था। करीब 30 किलोमीटर के सफर मे मरीज को लाते वक्त आक्सीजन की कमी न हो। इसके लिए तीमारदार अपना आक्सीजन से भरा प्राईवेट सिलेंडर लेकर आए। 19 अप्रैल को मरीज को भर्ती कर दिया गया। लेकिन, उसके बाद मरीज के पास आक्सीजन खत्म हो गया था।

मरीज के भाई बांगा ने बताया कि आक्सीजन खत्म होने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन से आक्सीजन लगाने के लिए कहा था। लेकिन आक्सीजन वाहन पलटने की बात कहकर आक्सीजन देने से इंकार कर दिया था। मरीज को इलाज कराने आये थे। इसलिए किसी से कोई शिकायत नहीं की। उसके बाद आक्सीजन के तीन प्राइवेट सिलिंडर की व्यवस्था करना पड़ी। उसके बाद डाक्टरों ने मरीज को बरेली रेफर कर दिया। सीएमओ डाक्टर एसपी गौतम का कहना है कि आक्सीजन पर्याप्त मात्रा में है। किसी मरीज को आक्सीजन खरीदने की जरूरत नहीं है। आवश्कता मरीजों को आक्सीजन लगाई जा रही है।

ट्रक-वैन की टक्कर में चार मजदूरों की मौत

दो घायल, सदमे से गई एक ग्रामीण की जान

बुलंदशहर। अनूपशहर क्षेत्र के करनपुर गांव के रहने वाले मजदूर हरियाणा के जिंद से वैन से अपने गांव आ रहे थे। इसी दौरान गांव दुगरऊ के पास वैन में ट्रक की साइड लग गई। जिससे हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं सदमे में एक ग्रामीण की जान चली गई है। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

घटना मंगलवार देर रात करीब 12 बजे अनूपशहर-बुलंदशहर मार्ग पर गांव दुगरऊ के पास हुई। अनूपशहर क्षेत्र के करनपुर गांव के रहने वाले मजदूर हरियाणा के जिंद से वैन से अपने गांव आ रहे थे। इसी दौरान गांव दुगरऊ के पास वैन में ट्रक की साइड लग गई। जिससे हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। गंभीर घायलों को हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया।

एक घायल ने अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सड़क हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। एसडीएम के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं, हादसे की खबर सुनकर सदमे से एक ग्रामीण ने दम तोड़ दिया। हादसे में मारे गए मजदूरों में जगरूप, गनपत, विजय और दानिश शामिल हैं।

अनदेखी यूपी के मुरादाबाद में अस्पताल की लापरवाही

हिंदू-मुस्लिम के शव बदले, श्मशान में हुआ खुलासा, कब्रिस्तान से शव निकाला

■ मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस से हालात बिगड़ चुके हैं। अस्पतालों में गंभीर मरीजों की लाइनें लगी हैं तो श्मशानों में भी वेटिंग चल रही है। इस बीच मुरादाबाद में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हुआ ये कि यहां के एक प्राइवेट अस्पताल में कोरोना संक्रमण से एक की समय पर दो लोगों की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने सील किए शवों की जांच किए बिना परिजन को सौंप दिए। इस लापरवाही की वजह से मुस्लिम मरीज का शव हिंदू परिवार के पास और हिंदू मरीज का शव मुस्लिम परिवार के पास चला गया। मुस्लिम परिवार ने तो शव को सुपुर्द-ए-खाक भी कर दिया। लेकिन जब हिंदू परिवार ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू तो होश उड़ गए, क्योंकि शव किसी और का था। इसके बाद परिवार ने अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा किया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजन को शांत कराया और मुस्लिम परिवार से संपर्क किया गया। इसके बाद दफन शव को कब्र से बाहर निकालकर हिंदू परिवार को सौंपा गया। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई?

शव बदलने की यह घटना मुरादाबाद के बड़े अस्पतालों में शुमार कॉसमॉस हॉस्पिटल की है। बरेली के सुभाष नगर निवासी रामप्रताप सिंह को काफी समय से हार्ट की प्रॉब्लम थी। कुछ दिनों पहले वे नागफनी थाना इलाके के बंगला गांव में अपने रिश्तेदार के घर गए थे। वहां 15 अप्रैल को रामप्रताप की तबीयत खराब हुई तो उन्हें कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजन के अनुसार 16 अप्रैल को अस्पताल ने बताया कि रामप्रताप कोरोना संक्रमित हैं। 19 अप्रैल की दोपहर अस्पताल प्रशासन ने सूचना दी कि रामप्रताप की मौत हो गई है। मंगलवार दोपहर काफी मशक्कत के बाद अस्पताल प्रशासन ने परिजन को शव सौंप दिया। शाम को परिजन अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंचे। मुखाग्नि देने से पहले जब चेहरा देखा तो सभी के होश उड़ गए।

एसडीएम ने कहा- दोषियों पर होगी कार्रवाई

एसडीएम सदर प्रशांत तिवारी ने का कहना है कि कॉसमॉस हॉस्पिटल में शव बदलने का मामला सामने आया है। अस्पताल में कोविड के चलते शवों को ट्रिपल लेयर पैकिंग में रखा जाता है। डेड बॉडी का अंतिम संस्कार कोविड प्रोटोकाल से किया जाता है। इस मामले में अस्पताल प्रशासन की गलती हुई और शव बदल गए। उसकी जांच करा कर जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अंतिम संस्कार के लिए मांगे 22 हजार, जमकर हुआ हंगामा

प्रयागराज। कोरोना काल में एक ओर जहां पुलिस-प्रशासन के साथ ही आम लोग जरूरतमंदों की मदद को आगे आ रहे हैं। वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जो आपदा के वक्त में मजबूरी का फायदा उठाने से भी नहीं चूक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला फाफामऊ घाट पर सामने आया, जहां कोविड संक्रमित के शव के अंतिम संस्कार के लिए 22 हजार रुपये मांगे जाने पर जमकर हंगामा हुआ। सूचना पर पुलिस पहुंची और किसी तरह मामला शांत कराया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वृद्धा का शव लेकर आए परिजनों ने आरोप लगाया कि उनसे अंतिम संस्कार के लिए 22 हजार रुपये मांगे गए। न देने पर पहले कहा गया कि खुद ही दाह संस्कार कर लो। जब परिजनों ने चिता में आग लगानी चाही तो दबंगई करते हुए उन्हें रोक दिया गया। साथ ही रुपये लेकर आने पर ही अंतिम संस्कार करने देने की बात की कही गई। इस पर वहां हंगामा होने लगा। जानकारी पर पुलिस पहुंची और किसी तरह मामला शांत कराकर अंतिम संस्कार कराया।

रत्याशी राजा भैया निरंजन का जनसंपर्क अभियान हुआ तेज, मिला अपार समर्थन

जनता के समर्थन के लिए कर रहे हैं जी जान से कोशिश

■ उरई।

जिला पंचायत शहजदपुरा से प्रत्याशी राजा भैया निरंजन को यहां अपार जनसमर्थन मिल रहा है। जहां जिला पंचायत से निदलीय प्रत्याशी को लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र में बुलाकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया, वहीं उनका सम्मान भी किया।

जबसे राजा भैया का टिकट बसपा से न होकर निदलीय हुआ है। तब से जनता का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए जी जान लगाकर मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि राजा भैया पढ़े लिखे

इंजीनियर की उपाधि लिए हुए नेता हैं पहली बार राजनीति के क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सूत्रों की मानें, तो अपने प्रारंभिक जीवन से ही जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करना और उनके सुख और दुःख में रहना इनका शौक रहा है और इसी के चलते राजा भैया ने क्षेत्र में चुनाव लड़ने का फैसला किया जनता के बीच रहकर लोगों की समस्या का निराकरण करना। राजा भैया की पहली प्राथमिकता रहेगी क्षेत्र में सभी वर्गों का मिल रहा अपार जनसमर्थन अपने सरल व्यव्हार और एक तेज तर्रार नेता होने की वजह से जनता के हृदय में और मन में अपना स्थान बना चुके हैं। क्षेत्र के लोंगो की जनसभा में मौजूद लोगों को सम्बोधित किया और अच्छाइयों को वहां मौजूद लोगों को बताया। इस मौके पर समाजसेवी भारी संख्या में युवाओं ने इनका साथ दिया। वहीं क्षेत्र वाशियों ने लोगों से अपील की है कि भारी संख्या में लोग आपस में एकजुट होकर राजा भैया निरंजन की जिला पंचायत सदस्य बनाने का कार्य करें और अन्य छलावा मारीच रूपी पार्टियों से बचने का संकल्प लें। राजा भैया ने कहा की जनता सब जानती है और अब जनता को कोई भी पाटी या प्रत्याशी अंधकार में नहीं रख सकती। लोगो से अपील की है कि जनता जाति और धर्म से उठकर अपने मत का प्रयोग करे। एक-एक मत बहुमूल्य होता है, जिससे जनपद से राज्य तक और राज्य से देश तक का विकास होता है।

दिवंगत व्यापारी नेता श्याम विहारी मिश्रा को व्यापार मंडल मड़ावरा ने अर्पित किये श्रद्धा सुमन

व्यापारी हितों की रक्षा को ताउम्र लड़े पंडित श्याम विहारी मिश्रा

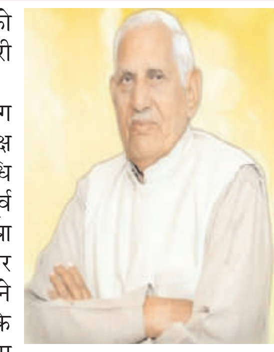

मड़ावरा(ललितपुर)-उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ० उत्तर प्रदेश व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद पं श्याम विहारी मिश्रा जी के निधन पर उद्योग व्यापार मंडल इकाई मड़ावरा ने कोबिड19 महामारी काल के नियमों का पालन करते हुए एक शोक सभा का आयोजन स्थानीय महावीर विद्या विहार में किया गया जिसमें कस्वा क्षेत्र के व्यापारी बन्धुओं सहित उद्योग व्यापार मंडल इकाई मड़ावरा कायर्कारणी सदस्यों ने दिवंगत पंडित श्याम विहारी मिश्रा जी को नम आँखों से शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों आकस्मिक हृदयाघात के चलते व्यापारी नेता श्याम विहारी मिश्रा जी का निधन हो गया था पंडित जी तीन बार के पूर्व सांसद होने के साथ ही उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ० उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के सवर्मान्य प्रदेश अध्यक्ष थे पंडित जी का अपना संपूर्ण जीवन व्यापारी हितों की रक्षार्थ समर्पित रहा उनकी अगुवाई में उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारी हितों के लिए शासन प्रशासन से कई बार संघर्ष किया और सफल भी हुए पंडित श्याम विहारी मिश्रा का नाम उन विरले राजनीतिज्ञों में गिना जाता था जो सही को सही और गलत को गलत कहने का माद्दा रखते थे चाहे सत्ता हो या विपक्ष सभी खेमों में उन्हें सम्मान हासिल रहा।

कस्वे के महावीर विद्या विहार में आयोजित की गयी श्रद्धांजलि सभा में व्यापार मंडल पदाधिकारियों सहित कस्वा क्षेत्र के व्यापारियों ने नम आँखों से दो मिनिट का मौन रख अपनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित की इस दौरान पदाधिकारियों ने व्यापार जगत के पितामह पंडित श्याम विहारी मिश्रा के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने संस्मरण साँझा किये शोक श्रद्धांजलि सभा में संजय खन्ना,प्रियंक सर्राफ,नीलेश दुकानवाले,पंचम लाल जैन,अजमेरी खान,सुनील सिंघई,पंचम सिंह तोमर चौका,भूपेंद्र नीमवाले,विवेक जैन बंटी,बंटी बजाज,सुमत मोदी,सोनू भीकमपुर,ज्वाला कसगर, गणेश साहू,सुलभ सिंघई, अंगद पटेल,अंकित दद्दी,अंकुर स्टील,आकाश सागर,चन्द्रकान्त नायक,दिनेश सोनी,इमरान खान,संजय जैन,शाकिर अली,अशोक सिंह तोमर सहित कस्वे के व्यापारी बन्धु उपस्तिथ रहे।

कांग्रेसियों ने तूफानी दौरा कर प्रत्याशियों के पक्ष में किया जनसंपर्क

मतदाताओ ने हाथो हाथ लेकर विजय दिलाने का दिया बचन

■ उरई।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जहाँ भाजपा, सपा और बसपा के नेता प्रत्याशियों के पक्ष में जन संपर्क कर वोट मांग रहे है। तो वही कांग्रेस पाटी भी इससे अछूती नहीं है। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा, वरिष्ट कांग्रेसी अरविन्द सिंह सेंगर ० अपनी टीम के साथ जिला पंचायत सदस्य पद के लिए चुनावी महासमर में उतरकर अपनी किस्मत अजमा रहे कांग्रेस पाटी समर्थित प्रत्याशियों के क्षेत्रो में पहुचे। जहाँ उन्होंने कुठौंद ० सिरसाकलार में प्रत्याशित्यो के कार्यालय का उद्घाटन किया। साथ ही प्रत्याशियों के साथ क्षेत्र में घूम-घूमकर मतदाताओ से जन समर्थन की अपील कर वोट मांगे। गुरुवार को

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा एवं वरिष्ट कांग्रेसी एवं प्रदेश यूथ महासचिव अरविन्द सिंह सेंगर, पूर्व कालपी विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र सरसेला के साथ जिला पंचायत कुठौंद से प्रत्याशी दीप कुमार एवं सिरसाकलार से प्रत्याशी मनोज यागिक के यहाँ पहुचे। जहाँ उन्होंने प्रत्याशियों के कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को कांग्रेस पाटी की नीतियों के अबगत कराते हुए कहा कि भाजपा सरकार में महगाई चरम पर है गरीब, मजदूर रोटी के लिए परेशान है। सरकार किसानो की आय दोगुनी करने का झूठा वादा करके अडानी और अम्वानी के इशारे पर किसानो को छलने का काम कर रही है। इसके पश्चात वावली में प्रत्याशी पुष्पा तोमर के समर्थन में तथा सहाव प्रत्याशी अशोक दोहरे के साथ मऊ, ऊद, हथना आदि गाँवो में जन संपर्क किया। जहाँ उन्होंने कांग्रेस पाटी की नीतियों की ग्रामीणों को जानकारी दी और पाटी समर्थित प्रत्याशी अशोक दोहरे के पक्ष में मतदान करके विजय दिलाने की कामना की। इस दौरान जिला सचिव लालू शेख़ एवं उपाध्यक्ष प्रभारी/प्रशासन शैलेन्द्र व्यास, पूर्व जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस करन श्रीवास, संतराम श्रीवास आदि साथ रहे।

जिलाधिकारी ने गौरी गैस एजेंसी के खिलाफ एफआईआर के दिए निर्देश

एक सप्ताह से आक्सीजन सप्लाई देने में कर रही आनाकानी

■ उरई।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गुरुवार को राजकीय मेडिकल कालेज उरई का औचक निरीक्षण किया तथा कोविड-19 के इलाज हेतु बनाये गये वार्डो का भ्रमण कर मेडिकल कालेज मे स्थित आक्सीजन सेंटर का भी निरीक्षण किया तथा निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति को आक्सीजन की कमी न होने पाये। मेडिकल प्राचार्य ने जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि गौरी गैस सर्विस झांसी को आक्सीजन सिलेण्डर आपूर्ति हेतु ठेका दिया गया है किन्तु सप्ताह भर से उन्होने आपूर्ति ठप कर दी है। मजबूरी वश अन्य जगहों से आक्सीजन सिलेण्डर मंगाने पड़ रहे है उस कारण आपूर्ति में कुछ विलम्व हो रहा है। जिलाधिकारी ने इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए गौरी गैस एजेंसी के प्रोपराइटर से दूरभाष पर वार्ता की असंतोष जनक जबाब मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक को एफआईआर कर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही के निर्देश मौके पर ही दिये। उन्होंने आक्सीजन सिलेण्डर लेने जाने वाली गाड़ियो के साथ पीआरडी के जवानो की ड्यूटी लगाने तथा पुलिस की गाड़ियो लगाने के निर्देश दिये। उन्होने अपर पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि पुलिस की गाड़ियों में जीपीएस लगी हुई होनी चाहिये ताकि प्रशासन भी उन पर लगातार निगरानी बनाये रखें।

सैम्पलिंग टीम पर पथराव एवं अभद्रता करने पर होगी कार्यवाही

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यदि मेडिकल टीम कोविड-19 की सैम्पलिंग करने जाती है और उससें कोई भी अभद्दता या पथराव करता है तो उसके खिलाफ पुलिस धाराओं में दण्डात्मक सख्त कार्यवाही की जाएगी तथा सुरक्षा की द्रष्टि से मेडिकल टीम के साथ पुलिस पाटी भी मौके पर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अराजकता/ गुण्डागदी करने वालो से सख्ती से निपटा जाये।

मरीजो को खाना गुणबत्ता पूर्ण एवं साफ सफाई का रखे ध्यान

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने राजकीय मेडिकल कालेज उरई में कोबिड वार्डो का निरीक्षण किया साथ ही मेडिकल कालेज के प्राचार्य को निर्देश दिया कि मरीजो का खाना गुणवत्ता पूर्ण हो तथा प्रत्येक वार्डो में साफ सफाई समुचित हो। इलाज में किसी प्रकार की शिथिलता एवं कोताही वर्दास्त नहीं की जाएगी।

थम नही रहा कालपी में मौतों का शिलशिला

कालपी। सप्ताह भर से कालपी में स्वाभाविक एवं कोरोना संदिग्धो की मौतो का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। गुरुवार को नगर के कई प्रतिष्ठित लोगो समेत आधा दर्जन से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हो जाने से कालपी के वाशिंदों में वेचैनी मची हुई है तथा खुद भी सतकर्ता बढ़ा दी है।नगर के बुजुर्ग अधिवक्ता शम्भू दयाल शुक्ला,श्याम पैलेस तथा दाल मिल के मालिक लाला श्याम किशोर गुप्ता,प्रमुख चिकित्सक डॉ शिवमोहन दीक्षित निवाहना वाले सहित आधा दर्जन लोगों की मृत्यु हो गयी। सप्ताह भर के दौरान तमाम मौतों में कई कोरोना संदिग्ध मरीज भी शुमार है। जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से अपेक्षा की है कि जिन जिन लोगो की संदिग्ध मौते हुई है उनके संदिग्ध लोगों के घरों तथा आसपास के इलाकों में सैनेटाइज करने की व्यवस्था की जाये। दिलचस्व वात यह है कि कई प्रतिष्ठित बड़े कारोबारी संदिग्ध हालत में मौत के गाल में समा गए गए है।

यात्री प्रतीक्षालय में अज्ञात शव मिलने से हडकंप, पुलिस मौके पर

■ जालौन।

देवनगर चौराहे पर स्थित प्रतीक्षालय में एक अज्ञात युवक मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है।पुलिस को सूचना मिली कि देवनगर चौराहे पर स्थित प्रतीक्षालय में एक व्यक्ति लेटा है तथा काफी देर से उठ नहीं रहा है। फोन पर मिली सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी विकास जादौन ने युवक को देखा तथा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान के लिए उसकी तलाशी भी ली गयी किन्तु उसकी पहचान नहीं हो सकी। धारीदार शर्ट व कत्थई पैंट में मिले युवक के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जिससे उसकी मौत का पता लगे सके। चौकी प्रभारी विकास जादौन ने बताया कि युवक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। उसकी फोटो सोशल मीडिया में वायरल की गयी है।

47 की टेस्टिंग में तीन विभागों के कमर्चारी निकले कोरोना पॉजिटिव

कालपी। गुरुवार को चिकित्साधीक्षक डॉ उदय कुमार की मौजूदगी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में चिकित्सीय टीम के द्वारा 47 लोगो के रैपिड एंटीजन टेस्ट कराए गए जिनमे तीन विभागों के 3 कमर्चारियों के कोरोना संक्रमित रिपोर्ट आई है। कोविड 19 पटल के प्रभारी डॉ रज्जन लाल सचान ने बताया कि आज निकले कोरोना पॉजिटिव मरीजो में सी एच सी का एक कमर्चारी,राजस्व विभाग का एक लेखपाल तथा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र मगरौल का एक कमर्चारी शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी संक्रमितों को होम आइसोलेट कराकर सरकारी चिकित्सीय सुविधा प्रदान कराने के इंतजाम किए गए है।

पैतृक मकान में कब्ज़ा को लेकर विवाद, पुलिस से हुयी शिकायत

जालौन। पैतृक मकान की वसीयत होने के बाद भी परिवार के लोग कब्जा नहीं करने दे रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कब्जा दिलाये जाने की मांग की है।कोतवाली क्षेत्र सेंगर कालोनी निवासी विपिन वर्मा ने बताया कि उनके दादा परमाई के नाम सेंगर कालोनी में एक 40 बाई 45 फुट का मकान था।

विधुत लाइनों के नीचे वाधा वने पेड़ो की छटाई का कार्य शुरू

कालपी। अधिशासी अभियंता उमाशंकर राजपूत के निर्देश पर विधुत उपग्रह कालपी तथा उसरगाव के 33 केवीए हाईटेंशन विधुत लाइनों के नीचे वाधा बने पेड़ो की डालो की विभागीय कमर्चारियों के द्वारा कटाई तथा छटाई का अभियान चलाया गया।इस संबंध में विभागीय अवर अभियंता राजेश शाक्य ने वताया कि हाईटेंशन विधुत लाइनों के तारों के नीचे तमाम स्थानों में लगे पेड़ो की डाल आदि आंधी एवं तेज हवाओ की बीच तारो में उलझ जाती है। फलस्वरूप विधुत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। हाल के सप्ताह में भी आधी एवं तेज हवाओं की चपेट में पेड़ो से विधुत लाइन चपेट में आ चुकी है। इसी को मद्देनजर रखकर उपखंड अधिकारी अभिषेक सचान, जूनियर इंजीनियर, लाइन मेन, संविदा कर्मियों सौरव कुमार, दिलीप कुमार, अरुण हरिश्चंद्र लल्लू, राजपाल, सत्येंद्र कुमार के द्वारा सुबह 7 से साढ़े 10 बजे तक विधुत लाइनों के नीचे पड़ने वाले बड़े बड़े पेड़ो की डालियो की छटाई की गई। इससे अव आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित नही हो सकेगी।

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर,

कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री

इत्यादि की प्रिंटिग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति

संचालक

मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626